प्रगति-5

2018-2019

हिंदी

कक्षा VIII

बिक्री के लिए नहीं

स्वाध्यायान्मा प्रमदः
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

सौजन्य से

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो

शिक्षा निदेशालय
रा.रा.क्षे., दिल्ली सरकार

उत्पादन मंडल

अनिल कुमार शर्मा
दीपक तंवर

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो में **अनिल कौशल**, सचिव, दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो, 25/2 पंखा रोड़, संस्थानीय क्षेत्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा सुप्रीम ऑफसेट, 133, उधोग केन्द्र, एक्सटेंशन-1 ग्रेटर नोएडा, उ0प्र0 द्वारा मुद्रित।

भूमिका

प्रगति के लक्ष्य को साथ लेते हुए प्रगति की यह पाँचवी श्रृंखला आपके समक्ष प्रस्तुत है जिसमें निष्ठा समूह के पाठ्यक्रम के सम्मिलित पाठों की कार्य पत्रिकाएँ समाहित की गई हैं। विद्यार्थियों के मौलिक व तार्किक चिंतन, उनकी रचनाशीलता व सृजनात्मकता का विकास हो, इस हेतु 'प्रगति' में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रयत्न किए गए हैं। साथ ही साथ चेष्ठा की गई हैं कि अध्यापकों के थोडे, से मार्गदर्शन के साथ बच्चे स्वयं पढें एवं उसमें दी गई 'वर्कशीट' (Worksheet) को भी स्वयं ही हल करें। यही कारण है यह पूरक-पुस्तिका लगातार बच्चों से ही संवाद करती हुई दिखाई देती है। इन पाठों में अधिगम संप्राप्ति (Learning outcomes) को ध्यान में रखकर ही गतिविधियाँ प्रश्न रखे गए हैं। पाठ की भूमिका को बच्चों के लिए काफी मनोरंजक रखा गया है एवं पाठ तक पहुँचा कर छोड़ दिया गया है, ताकि वे स्वयं पाठ को पढ़ने हेतु उत्सुक हो उठें। हम अध्यापकों से अपेक्षा करते हैं कि बच्चों के साथ इस सामग्री के अनुभव एवं प्रयोग को, हमारे साथ साझा करें एवं आवश्यक सुझाव भी दें।

संपादन समूह

पुनर्वीक्षणः डॉ. शारदा कुमारी (वरिष्ठ प्रवक्ता) एवं सुश्री लक्ष्मी पाण्डेय (प्रवक्ता) मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान आर. के. पुरम, नई दिल्ली परावर्धन एवं संपादन समूहः

- श्रीमती अंजूबाला रोहिल्ला, मैंटर शिक्षिका, सर्वोदय कन्या विद्यालय उत्तम नगर, दिल्ली।
- श्रीमती निशा जैन, मैंटर शिक्षिका, राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, झिलमिल कॉलोनी, दिल्ली।
- श्रीमती आशा, मैंटर शिक्षिका, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोयला खुर्द, दिल्ली।
- श्री हरिशंकर स्वर्णकार, मैंटर शिक्षक, राजकीय उच्चतर माध्यमिक बाल विद्यालय, वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, दिल्ली।
- श्री अशोक कुमार, मैंटर शिक्षक, राजकीय उच्चतम माध्यमिक बाल विद्यालय, न.2, कालकाजी, नई दिल्ली।
- सुश्री शीतल, मैंटर शिक्षिका, विश्वामित्त सर्वोदय कन्या विद्यालय, पुरानी सीमापुरी, दिल्ली।
- श्री भूषण लाल दत्त, मैंटर शिक्षक, सर्वोदय बाल विद्यालय, रानी गार्डन, दिल्ली।
- श्री जयशंकर शुक्ल, कोर अकादमिक यूनिट, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली।

विषयसूची

क्रम संख्या	पाठ का नाम	लेखक	पेज न.
पाठ 1	लाख की चूड़ियाँ (कहानी)	कामतानाथ	1–15
पाठ 2	बस की यात्रा (व्यंग्य)	हरिशंकर परसाई	16–27
पाठ 3	चिट्ठियों की अनूठी दुनिया (कविता)	अरविंद कुमार सिंह	28–39
पाठ 4	भगवान के डाकिए (कविता)	रामधारी सिंह दिनकर	40–51
पाठ 5	क्या निराश हुआ जाए (निबंध)	हजारी प्रसाद द्विवेदी	52–61
पाठ 6	कबीर की साखियाँ	कबीर	62–73
पाठ 7	कामचोर (कहानी)	इस्मत चुगताई	74–88
पाठ 8	जब सिनेमा ने बोलना सीखा	प्रदीप तिवारी	89–101
पाठ 9	जहाँ पहिया है (रिपोर्ताज)	पी साइनाथ	102–110
पाठ 10	अकबरी लोटा (कहानी)	अन्नपूर्णानंद	111–120
पाठ 11	पानी की कहानी (निंबध)	रामचंद्र तिवारी	121–132
पाठ 12	टोपी (कहानी)	सृंजय	133–146

लाख की चूड़ियाँ

पाठ 1

—कामतानाथ

पता है मित्रों, कई बार मुझे बड़ी खुशी होती है कि वाह! हम कितने अच्छे युग में जी रहे हैं। एक बटन दबाने भर से कितने सारे काम हो जाते हैं। है न?

स्विच ऑन करें कमरे में रोशनी आ जाती है, हवा और ठंडक भी आ जाती है। एक बटन दबाओ मसाले पिस जाते हैं, कपड़े धुल जाते हैं। मशीनों ने हमें कितना आराम पहुंचाया है, है न?

पर क्या मशीनों से हमें सिर्फ फायदे ही हो रहे हैं? मुझे लगता है कि सिक्के का एक दूसरा पहलू भी है। मशीनों पर अधिक निर्भरता की वजह से हम शारीरिक श्रम के महत्व को भूलते जा रहे हैं। हम लोगों के स्वास्थ्य पर इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है।

एक बात और, मशीनीकरण से कई लोगों के रोजगार पर भी बुरा असर पड़ा है।

क्या आप ऐसे किसी व्यक्ति को जानते हैं, जो हाथ का कारीगर (हस्त कारीगर) हो। जैसे– हाथ से मिट्टी की मूर्ति, घड़ा, दीया आदि बनाते हों, कपड़ों की बुनाई करते हों, लकड़ी का काम करते हों? क्या आपने इनके द्वारा बनाए गये सामान को भी देखा है? कितनी मेहनत से कितना सुंदर सामान बनाते हैं, लेकिन बाजार में आए लोग इन सामान की जगह मशीनों से बने सामान खरीदना ज्यादा पसंद करते हैं, क्योंकि वे अपेक्षाकृत सस्ते और अधिक टिकाऊ होते हैं।

ऐसे में, हस्त कारीगरों की आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। मानसिक रूप से भी उन्हें बहुत ठेस पहुँचती है। जिस कला की वजह से उनका मान–सम्मान बढ़ना चाहिए था, समाज के लोग उसी कला को अवहेलना की दृष्टि से देखते हैं तो इन कलाकारों का आहत होना स्वाभाविक है।

'लाख की चूड़ियाँ' कामतानाथ जी द्वारा लिखी हुई कहानी है। इस कहानी के नायक हैं, बदलू काका। बदलू काका पहले एक खुशहाल ज़िंदगी जीते थे। गाँव में उनकी बहुत आवभगत थी। सभी लोग उनकी कला को बहुत आदर देते थे। लेकिन समय के साथ सब कुछ बदल गया। आइए, पाठ पढ़कर पता लगाते हैं कि बदलू काका के जीवन में कौन–कौन से बदलाव आ गये? इनकी वजह से बदलू काका के मन पर क्या असर पड़ा होगा?

प्र०1 भाषा के खेल

(क) शब्द श्रृंखला को दिए गए शब्द से संबंधित अन्य शब्दों के द्वारा पूर्ण करें–

			गुलाब	लाल
	पुष्पगुच्छ			

बुझो तो जानें–

काला घोड़ा सफेद सवारी,

एक उतरा तो दूसरे की बारी।।

प्र02 इन शब्दों को उनके अर्थ के साथ मिलाइए।

विनिमय, मचिया, फबना, नाजुक, मुख़ातिब, सलाख
खपत, मुँगरी, पैतृक, चाव, कसर

	कोमल
घाटा पूरा करना	
	देखकर बात करना
पूर्वजों का, पुश्तैनी	
	सलाई, धातु की छड़
चाह, तीव्र इच्छा	
	माल की बिक्री
वस्तुओं की अदल–बदल	
	सुतली आदि की बुनी हुई छोटी चौकी
सजना, शोभा देना	
	गोल, मुठियादार लकड़ी, जो ठोकने के काम आती है।

प्र०3

मैं काँच की चूड़ी हूँ। मैं देखने में बहुत सुन्दर हूँ। मेरे और भी कई गुण हैं। क्या तुम इन्हें लिखोगे?

मैं लाख की चूड़ी हूँ। मैं भी देखने में कम सुन्दर नहीं हूँ। थोड़ी महंगी तो हूँ पर मेरे और भी कई गुण हैं। क्या आप इन्हें लिख पायेंगे?

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्र०4

मेरे गाँव में आज भी लोग एक सामान देकर दूसरा सामान खरीदते हैं।

क्या आपको पता है, इस तरह की खरीद–फरोख़्त को क्या कहा जाता है?

....
....
....
....

प्र०5 बदलू काका

लेखक बदलू को 'मामा' न कहकर 'काका' क्यों कहते थे?

....
....
....
....

बदलू काका ने अपने द्वारा बनायी गई चूड़ी का जोड़ा जमींदार को न देकर, अपनी पुत्री को क्यों दिया होगा?

....
....
....
....

बदलू काका के मन में क्या दर्द था?

....
....
....
....

आप छुट्टियों में किसके घर जाना पसन्द करते हैं?

....

....

....

....

इनके घर की सबसे अच्छी बात आपको कौन सी लगती है?

....

....

....

....

प्र०6 चूड़ियों के अतिरिक्त लाख से और क्या–क्या बनाया जा सकता है?

(अ)... (ब) ....

(स)... (द) ....

प्र०7 उन राज्यों के नाम लिखकर, उन पर रंग भरिए जिनमें लाख के सामान का निर्माण होता है।

प्र०8 इस घड़े में कुछ देशज और विदेशज शब्द एक साथ आकर बैठ गये हैं। इन्हें अलग–अलग गिलासों में भरिए।

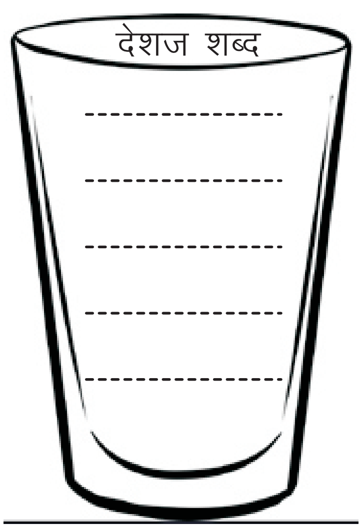

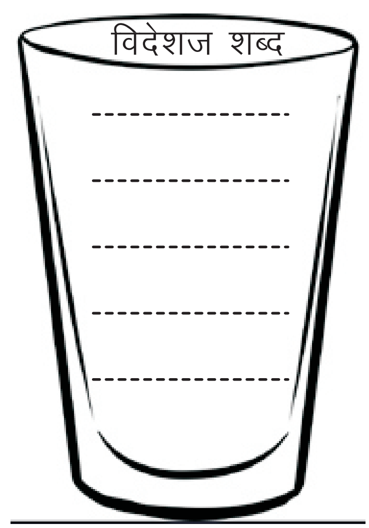

प्र०9 तत्सम और तद्भव शब्दों को छाँटकर अलग–अलग बॉक्स में भरिए।

बारिश, वर्षा, दृष्टि, अंजुली
घृत, दुग्ध, वृक्ष, बरस, वर्ष, वृक्ष
कार्य, अलग, घी, दूध, ओष्ठ, हस्त

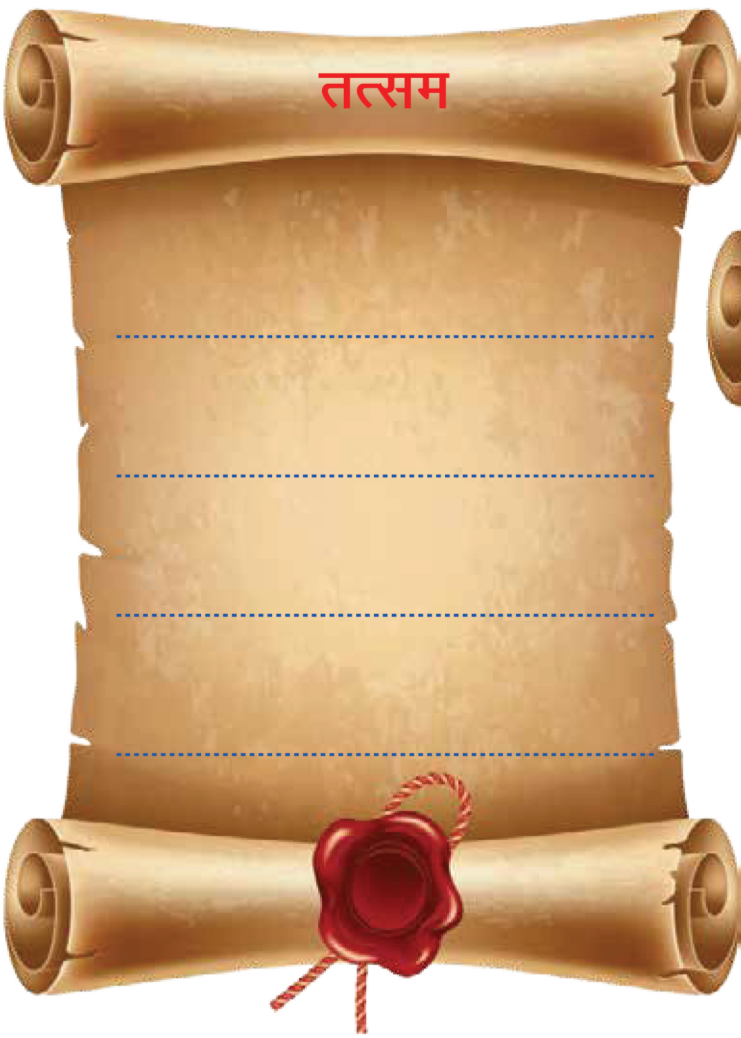

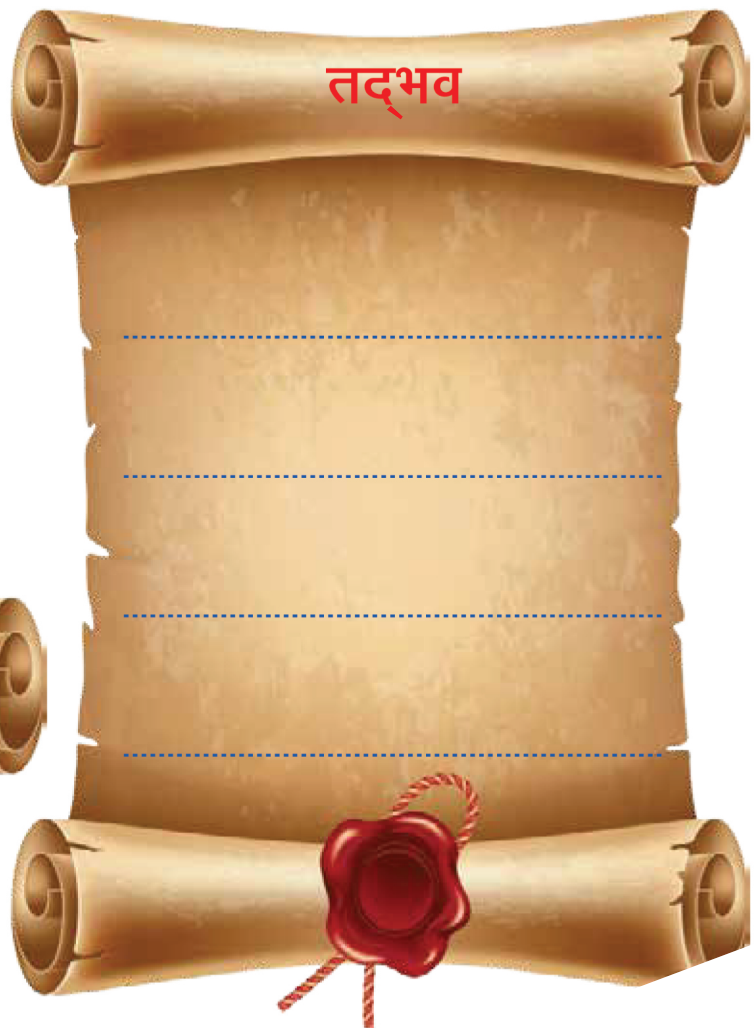

प्र०10 अपने आस–पड़ोस के किसी हस्तकार (कारीगर) से बातचीत कर, उनके बारे में जानकर विचार दीजिए कि मशीनों से बने सामान तथा हाथ से बने सामान के क्या–क्या लाभ व हानि हैं?

(इस विषय पर वाद–विवाद भी कक्षा और विद्यालय स्तर पर आयोजित किया जाए)

प्र०11 सोचो, लिखो और चर्चा करो।

मशीनों से बने सामान	हाथ से बने सामान
....	....
लाभ	लाभ
....	....
हानि	हानि

प्र०12 हमारे उदाहरण लिखिए–

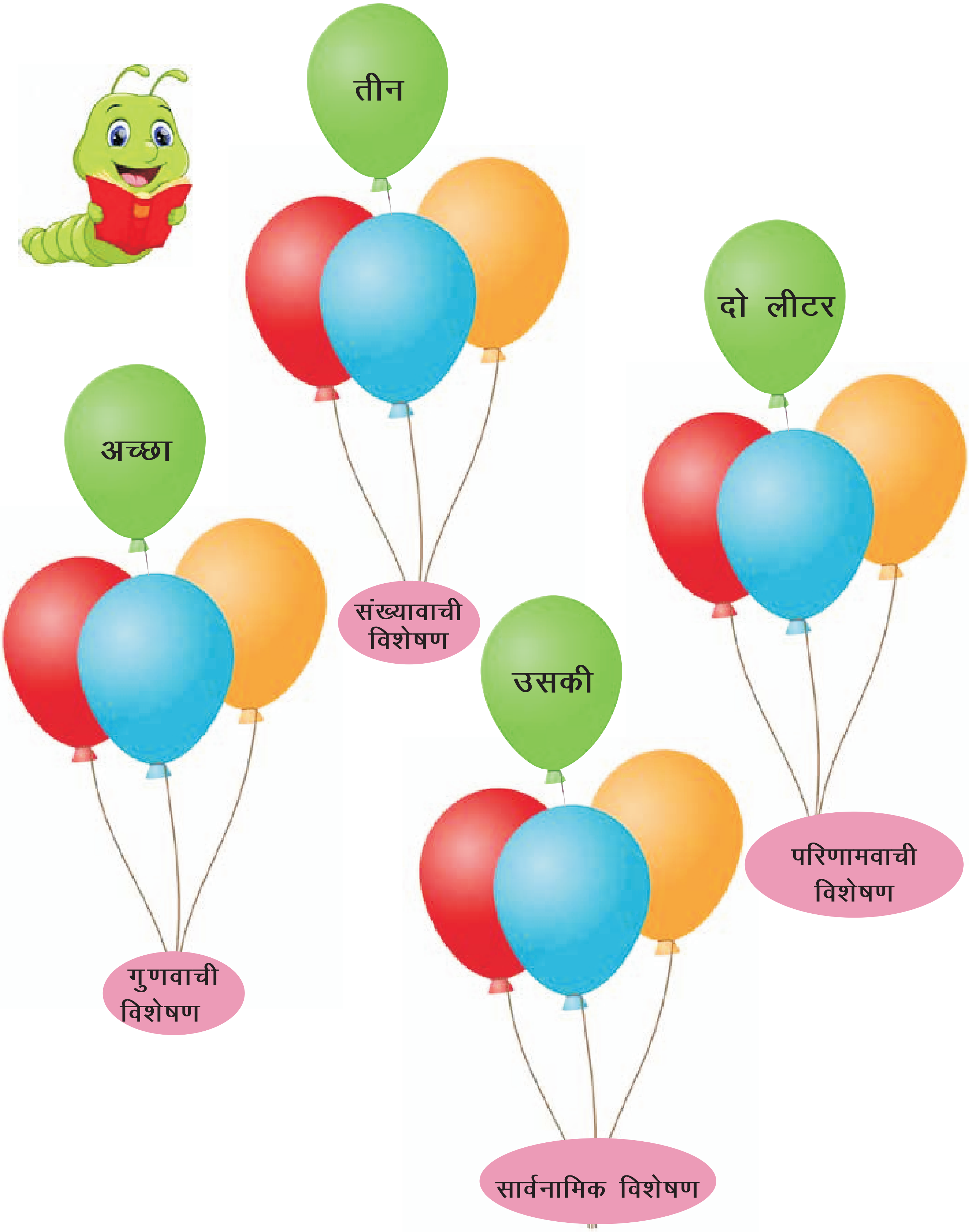

प्र०13 संज्ञा शब्द छाँटिए—

आ	म	क	ला	प	ह
नी	चा	स	ख	ट	ब
घ	न	च	टि	ना	द
ड	रू	प	या	आ	लू
क	च	गो	द	द	झ
झ	ट	लि	ग्रा	मी	ण
चू	ड़ि	याँ	ड़	ह	फ

शब्द–सीढ़ी

प्र०14 संकेतों की सहायता से विलोम शब्द लिखकर शब्द–सीढ़ी पूरा करो–

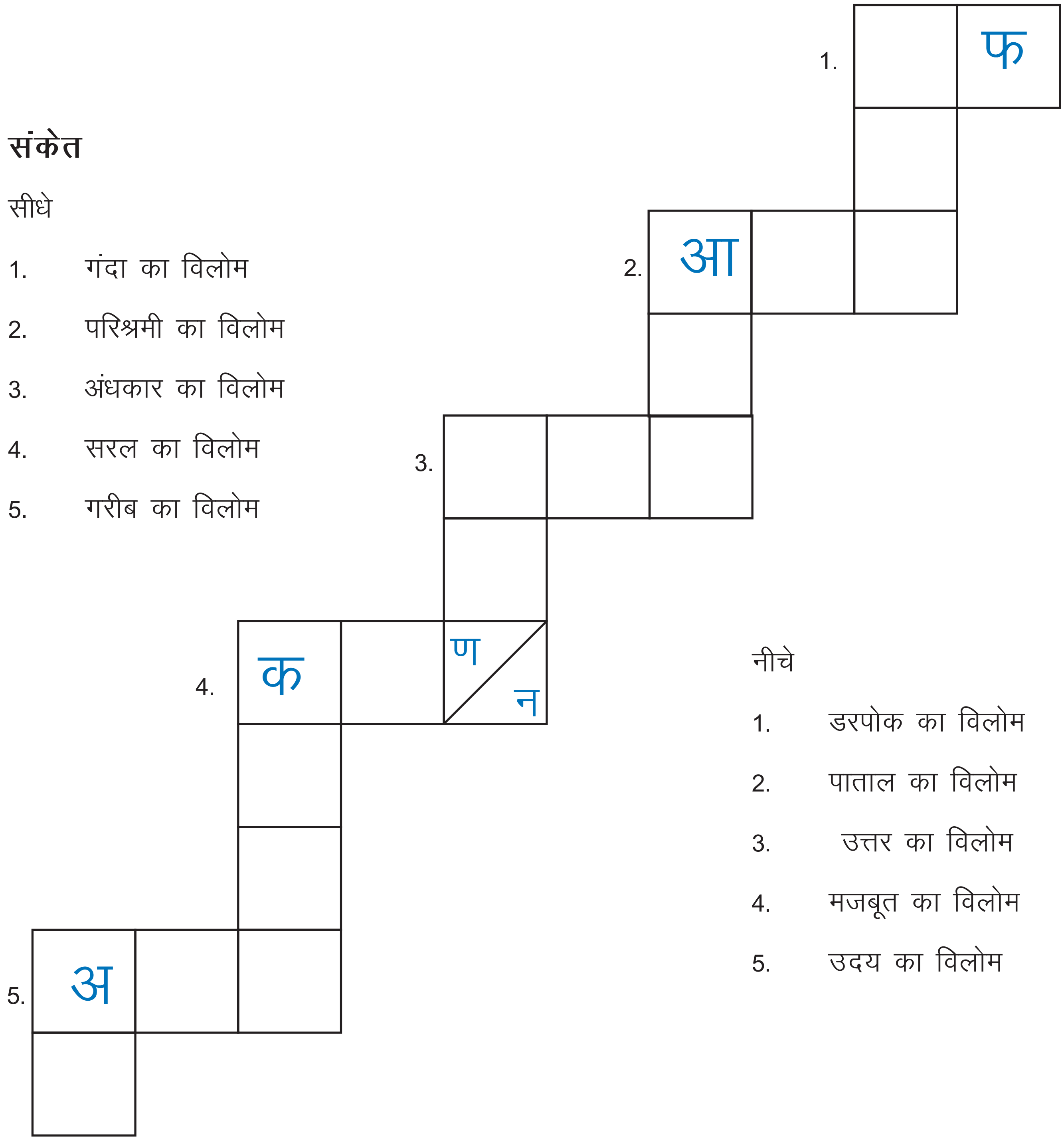

संकेत

सीधे

1. गंदा का विलोम
2. परिश्रमी का विलोम
3. अंधकार का विलोम
4. सरल का विलोम
5. गरीब का विलोम

नीचे

1. डरपोक का विलोम
2. पाताल का विलोम
3. उत्तर का विलोम
4. मजबूत का विलोम
5. उदय का विलोम

प्र०15 'लाख की चूड़ियाँ' कहानी की भांति आप भी अपने गाँव के किसी कारीगर पर छोटी सी कहानी बनाकर लिखें।

अधिगम संप्राप्तिः

1. शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखते हैं व शब्दों का वाक्यों में उचित संदर्भानुसार प्रयोग करते हैं
2. सामाजिक संबंधों के महत्त्व व व्यवहार को समझते हैं।
3. व्याकरणः शब्दभेद, शब्द रचना, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि की पहचान व अभ्यास करते हैं।
4. मौलिक भाषा शैली में कहानी व कविता की रचना करते हैं।
5. आस–पड़ोस के समाज के प्रति सजग व सचेत होते हैं।

बस की यात्रा

पाठ 2

—हरिशंकर परसाई

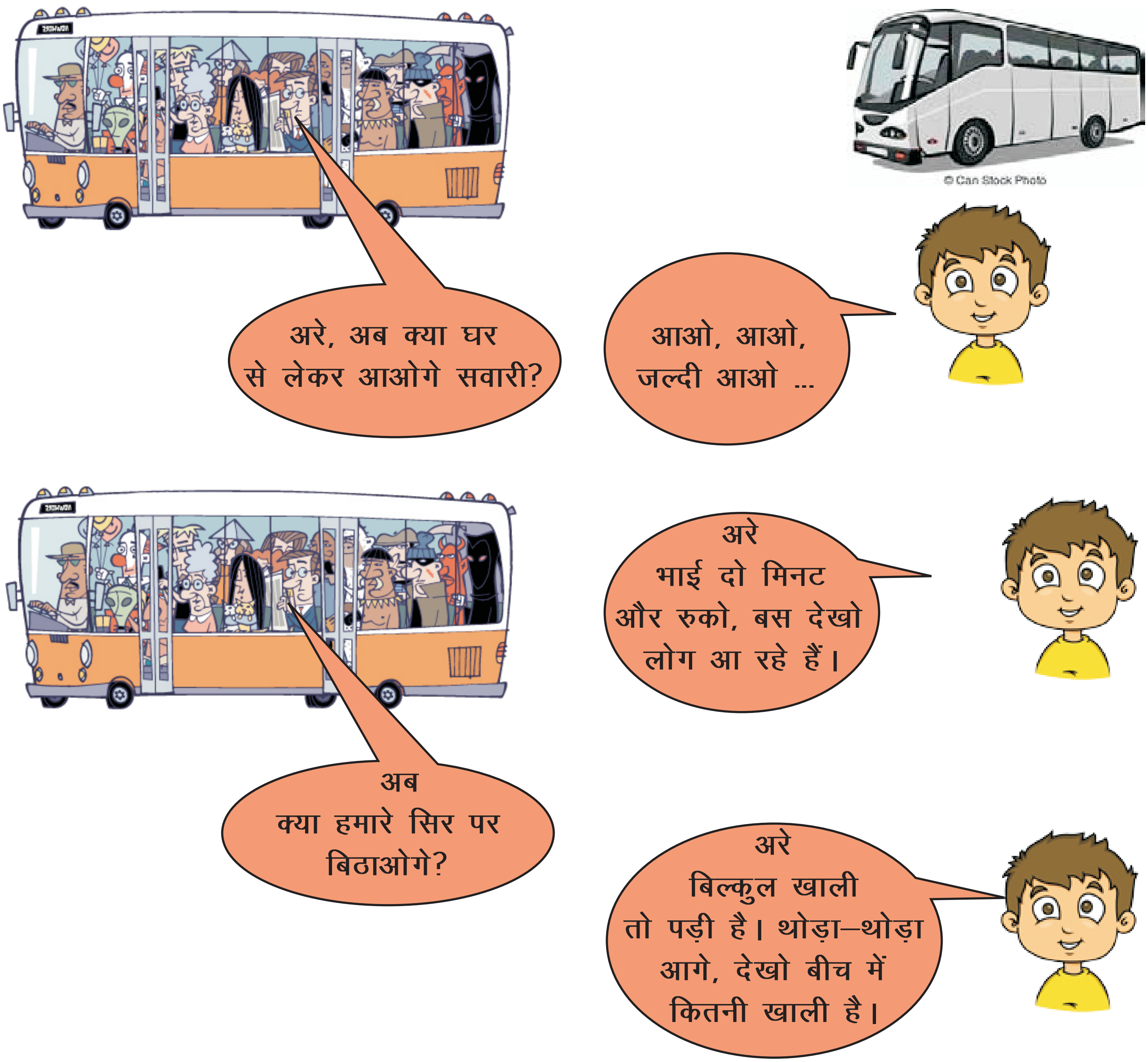

बच्चो! ऐसा आपने बस यात्रा करते हुए अक्सर देखा व सुना होगा। क्या वास्तव में कंडक्टर घर से सवारी लाएगा? नहीं। इस प्रकार के ताने व कटाक्ष जिससे हम गंभीर से गंभीर दूसरों को इस प्रकार से कहते हैं कि न तो सुनने वाले को बुरा लगे और सुनने वाला भाव को समझ भी जाए, यही व्यंग्य कहलाता है। 'बस की यात्रा' पाठ भी अपने आप में एक 'व्यंग्य कथा' है। व्यंग्य को सामान्य शब्दों में ताना या चुटकी भी कहते हैं और ऐसी ही एक बस की यात्रा का वर्णन है, जिसे हरिशंकर परसाई जी ने लिखा है। हरिशंकर परसाई जी ने व्यंग्य विधा को हल्क–फुल्के मनोरंजन की परंपरागत परिधि (सीमा) से हटाकर समाज में व्याप्त समस्याओं से जोड़ा। उनकी व्यंग्य रचनाएं महज गुदगुदी ही उत्पन्न नहीं करतीं, बल्कि जीवन की उन वास्तविकताओं को भी सामने रखती हैं, जिनसे आम आदमी का प्रतिदिन सामना होता है।

इस पाठ की घटनाएँ जैसे–जैसे आगे बढ़ती हैं, पढ़ने वाले की उत्सुकता भी बढ़ती जाती है। आप भी पाठ को पढ़कर इस मजेदार यात्रा का आनंद उठाइए और अनुभव कीजिए, किस तरह किसी घटना को इतने मज़ेदार और चुटीले अंदाज़ में प्रस्तुत किया जा सकता है।

नवीन शब्द

नीचे पाठ में आए कुछ नवीन शब्द तथा उनके अर्थ दिए गए हैं। क्या आप शब्दों को उनके सही अर्थ से मिला सकते हैं।

श्रद्धा	
वयोवृद्ध	गरीब
हिस्सेदार	आज्ञा न मानना
रंक	मृत्यु हो जाना
सविनय	तसल्ली
अवज्ञा	गरीब
असहयोग	मुश्किल से प्राप्त होना
बियाबान	त्याग
प्राणांत	विनय पूर्वक
अंत्येष्टि	सहयोग न करना
उत्सर्ग	प्रस्थान/संसार से विदा होना
दुर्लभ	साधु
फकीर	आस्था/विश्वास
इत्मीनान	दाह संस्कार
प्रयाण	सुनसान जगह/उजाड़ स्थान
क्रांतिकारी	सबसे अधिक उम्र वाला

प्र०1 "बस पूजा के योग्य थी, उस मौके पर कैसे सवार हुआ जा सकता है।" आपके विचार से लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा?

....

....

....

प्र०2 आना जाना तो लगा ही रहता है। आया है सो जाएगा राजा रंक फकीर! आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए

उपरोक्त पंक्तियों को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) ''आना जाना तो लगा ही रहता है'' इस वाक्य से लेखक का क्या आशय रहा होगा?

___

___

___

___

(ख) ''आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए'' बस की यात्रा पाठ के संदर्भ में इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए।

___

___

___

___

प्र०3 ''इंजन सचमुच स्टार्ट हो गया'' लेखक ने बस के बारे में ऐसा क्यों कहा होगा?

___

___

___

प्र०4 ''ड्राइवर ने तरह–तरह की तरकीबें की परंतु बस नहीं चली'' संविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हो गया था। इस वाक्य को पढ़कर इस आंदोलन के बारे में पता करें व इसके बारे में लिखे। ये किसने और कब व किसलिए शुरू किया?

प्र०5. आओ खेलें खेल–

आप बस के मालिक हैं। श्याम 'एक यात्री' ने आपकी बस में यात्रा की। वह बहुत दुखी हुआ बस की खराब दशा से। वह आपसे बस की दयनीय दशा की शिकायत करने आया है। आप अपनी बस के पक्ष में (उसकी अच्छाइयाँ गिनाते हुए) श्याम को जवाब दें।

श्यामः (एक यात्री) ....

बस का मालिकः (मैं) ....

श्याम ....

मैं ....

श्याम ....

मैं ....

श्याम ....

मैं ....

श्याम ....

मैं ....

श्याम ....

मैं ....

श्याम ....

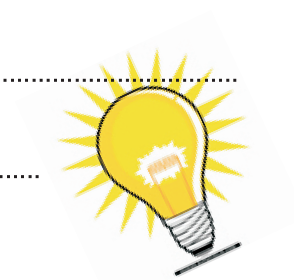

(इस प्रकार दो व्यक्तियों के वार्तालाप को उन्हीं के शब्दों में लिखना संवाद लेखन कहलाता है।)

प्र०6. नए शब्द जानिए (जोड़े मिलाइए)

शैशवावस्था	दो वर्ष से 12 वर्ष की उम्र
बाल्यावस्था	बारह से उन्नीस वर्ष की उम्र
किशोरावस्था	साठ साल से ऊपर की उम्र
युवावस्था	जन्म के एक माह दो वर्ष तक की उम्र
प्रौढ़ावस्था	पैंतालीस से पचपन साल की उम्र
वद्धावस्था	बीस से पैंतीस साल की उम्र

प्र०7. दिए गए उदाहरण को देखें।

राम ने रावण को मारा।

राम सीता के लिए वन–वन घूमे।

इन दो वाक्यों में रेखांकित (ने) तथा (के लिए) शब्द आए हैं। इनके प्रयोग से ही वाक्यों में अलग–अलग शब्दों में संबंध स्थापित होता है। इन शब्दों/शब्दांशों को कारक कहते हैं। ये आठ हैं तथा इनकी पहचान विभक्तियों द्वारा होती है। ये हैं–

कर्ता कारक	ने
कर्म कारक	को
करण कारक	से/के द्वारा
संप्रदान कारक	के लिए
अपादान कारक	से (अलग होने का भाव)
संबंध कारक	का/ के/ की रा/ रे/ री
अधिकरण कारक	में/पर
संबोधन कारक	हे! अरे!

प्र०8. ''हम पाँच मित्रों ने तय किया कि शाम चार बजे की बस से चलें। ''

ऊपर दिए गए वाक्य में ने, कि, की ओर से वाक्य के दो शब्दों में संबंध स्थापित कर रहे हैं। ऐसे शब्दों को कारक कहते हैं।

नीचे दिए गए अनुच्छेद में रिक्त स्थानों में उचित कारक चिह्न लिखें।

''सुनीता......................अपनी दोनों टाँगों............................हाथ................................पकड़कर खींचा और उन्हें पलंग.................................नीचे.............................ओर लटकाया। फिर पलंग............................सहारा लेती हुई अपनी पहिया कुर्सी तक बढ़ी। सुनीता चलने–फिरने पहिया कुर्सी....................................मदद लेती है। आज वह सभी काम फुर्ती..................................निपटाना चाहती थी। हालाँकि कपड़े पहनना, जूते बदलना आदि उस..............................कठिन काम हैं। पर अपने रोज़ाना............................काम करने के लिए उस..................................स्वयं ही कई तरीके ढूंढ निकाले हैं।

प्र०9. निम्न वर्णों की सहायता से शब्द बनाएं।

प, म, ल, क, न तथा आ, इ, उ और ए की मात्रा का भी प्रयोग भी करें।

प्र०10. वाक्य बनाएं (अनेकार्थी शब्दों से)

1. ____________________ हार

____

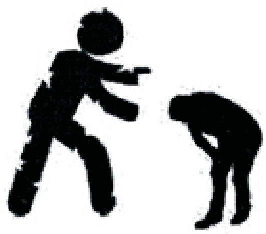

2. ____________________ हार

____

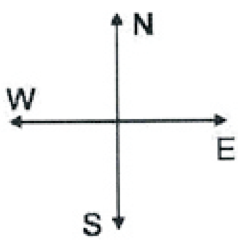

1. ____________________ उत्तर

____

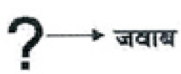

2. ____________________ उत्तर

____

1. ____________________ हल

____

10 + 20 = 30

2. ____________________ हल

____

प्र०11. नीचे लिखे शब्दों के विलोम लिखिए

जैसे–

योग्य	X	अयोग्य
हाजिर	X	________________
आधुनिक	X	________________
दुश्मन	X	________________
गहरा	X	________________
दुर्लभ	X	________________
स्वीकृत	X	________________
आरंभ	X	________________
सुखद	X	________________
कुमार्ग	X	________________
आदि	X	________________

प्र०12. नीचे लिखे कुछ शब्द युग्मों को ध्यान से देखिए

मीठा आम,	काला भालू
चार बच्चे,	कुछ पैसे
थोड़ी चीनी	ये घड़ी

रेखांकित शब्द साथ वाले शब्दों की विशेषता बता रहे हैं।

विशेषण वे शब्द होते हैं, जो किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताते हैं। संज्ञा शब्दों को विशेष्य भी कहा जाता है।

हमारे उदाहरण लिखिए–

प्र०13 चिह्न

विराम चिह्न वे चिह्न हैं, जिनके द्वारा अर्थ की स्पष्टता के लिए वाक्य को भिन्न–भिन्न भागों में बाँटते हैं। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि भाषा में स्थान विशेष पर रूकने के अलावा उतार–चढ़ाव आदि दिखाने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें ही विराम चिह्न कहते हैं।

पूर्ण विराम	(।)	वाक्य के पूरा होने पर
अल्प विराम	(,)	दो वाक्य खंडों के बीच
अर्ध विराम	(;)	यौगिक व मिश्रित वाक्यों के बीच
प्रश्नवाचक	(?)	प्रश्न पूछने के लिए
विस्मयादिवाचक	(!)	आश्चर्य प्रकट करने के लिए
निर्देशक	(—)	डैश, जैसे अध्यापक– तुम जा सकते हो।
योजक	(-)	हाइफन, दो शब्दों को जोड़ने के लिए
उद्धरण चिह्न	(" ") (' ')	किसी वाक्य को यथावत रखने के लिए
विवरण चिह्न	(:-)	उदाहरण, वनों से हमें निम्न लाभ हैं:–
संक्षेप सूचक	(.)	जैसे, एम.ए. या कृ.प.उ. आदि
हंस पद	(^)	जब लिखने में कुछ छूट गया हो

विराम चिह्नों को पढ़कर नीचे लिखे अनुच्छेद में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करें।

हम बैठ गए जो छोड़ने आए थे वे इस तरह देख रहे थे जैसे अंतिम विदा दे रहे हैं उनकी आँखें कह रही थीं आना जाना तो लगा ही रहता है आया है सो जाएगा राजा रंक फकीर आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए

प्र०14 चित्र देखकर वाक्य/कहानी लिखिए

अधिगम संप्राप्तिः

1. पाठ्यवस्तु को समझकर नवीन शब्दों के अर्थ संन्दर्भ के अनुसार पता लगाते हैं व उनका सार्थक उपयोग करते हैं।
2. व्याकरणः विलोम शब्द, अनेकार्थक शब्द, कारक, विशेषण व विराम चिह्नों के विषय में जानकर उनका अभ्यास करते हैं।
3. चित्र देखकर वाक्य या कहानी का निर्माण करते हैं।
4. अपनी कल्पना से संवाद लेखन करते हैं।

पाठ 3

चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

—अरविंद कुमार सिंह

संदेशे आते हैं
हमें तड़पाते हैं
कि चिट्ठी आती है
वो पूछ जाती है
कि घर कब आओगे

बच्चो! आपने यह गीत सुना होगा। इस गीत में किसके बारे में यह बात की गई है, बिल्कुल ठीक। प्यारे बच्चों, क्या आप जानते हैं कि हम अपनी बातों को, विचारों को एक जगह से दूसरी जगह कैसे पहुँचाते हैं? बहुत सरल सा उत्तर है फोन द्वारा। परन्तु आपके और हमारे दादा जी के जमाने में लोगों के पास फोन नहीं होता था। तब लोग एक जगह से दूसरी जगह संदेश भेजने के लिए पत्र लिखकर लेटर बॉक्स में डाल आते थे। भारत का डाक विभाग इन पत्रों को पूरी जिम्मेदारी के साथ पत्र में दिए गए पते तक पहुँचाता था। आज भी हमारी चिट्ठियों को, मनी आर्डर को तथा पार्सल इत्यादि को डाक विभाग हमारे घरों तक पहुँचाता है। ऐसी ही मजेदार और रोचक बातें बताने के लिए अरविंद कुमार सिंह ने इस पाठ की रचना की है। बहुत सारी मजेदार बातें हमें इस पाठ के माध्यम से जानने को मिलेंगी। इसलिए इस पाठ को पढ़ने में न सिर्फ आपको मजा आएगा, बल्कि ढ़ेर सारी जानकारी भी मिलेगी।

नवीन शब्दः—

संदेश वाहक	संदेश लाने ले जाने वाला
विवाद	झगड़ा
मनी आर्डर	धनादेश (एक जगह से दूसरी जगह डाक द्वारा पैसे/रुपए भेजना)
बेसब्री	बेचैनी, उतावलापन
उन्नत	अच्छे
दुर्गम	जहाँ जाना आसान न हो (मुश्किल राह)
पत्र व्यवहार	एक दूसरे को पत्र लिखना
प्रेरक	प्रेरणा देने वाला
शताब्दी	सौ वर्षों का समूह
संकलन	इकट्ठा करना
पुरखे	पूर्वज (परिवार के बुजुर्ग जो अब नहीं हैं)
संवाद	आपस में बातचीत करना
पत्राचार	एक दूसरे को नियमित पत्र लिखना
मनोदशा	मन की दशा (हालत)
संग्रहालय	पुरानी व दुर्लभ चीजों को संभालकर रखने हेतु जगह
अनुसंधान	खोज (किसी वस्तु का पता लगाना)
उद्यमी	उद्योग (काम) करने वाला
परिवहन	आना–जाना
प्रशासक	शासन चलाने वाला (प्रमुख व्यक्ति)
दिग्गज	महान

प्र०1 नीचे दी गई आकृति में संचार के साधनों का नाम लिखिए।

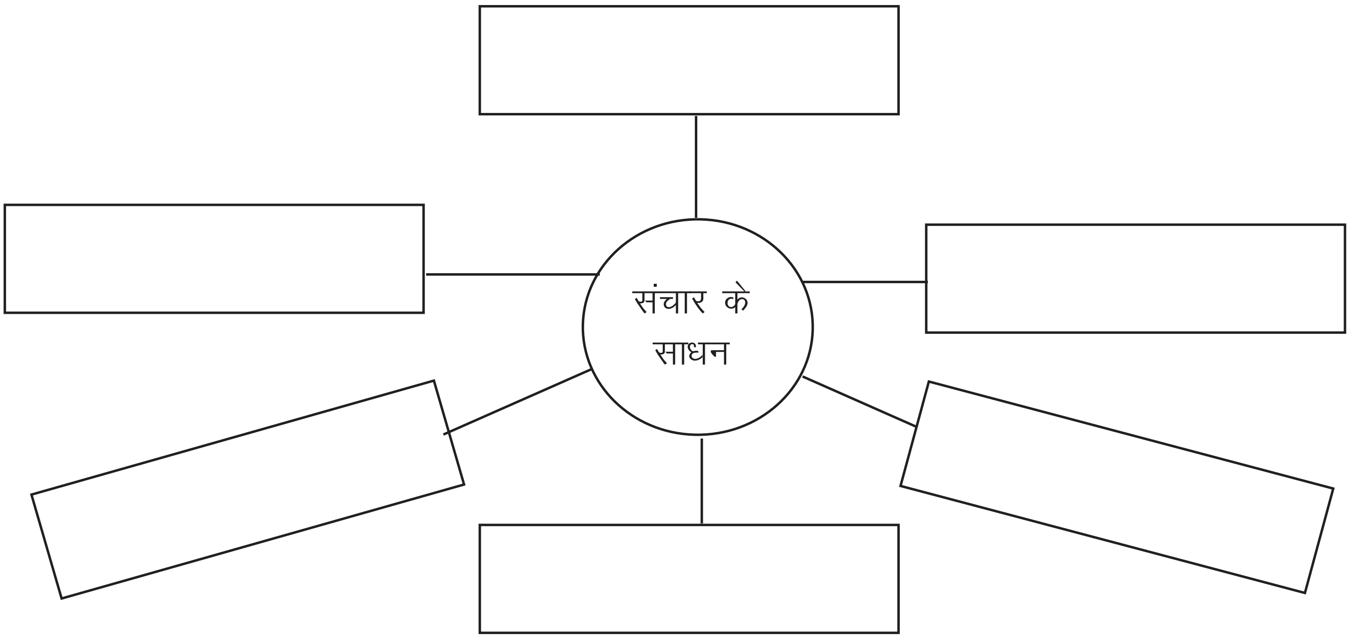

प्र०2 पत्रों को भेजने का स्वरूप धीरे–धीरे बदलता गया। नीचे दी गई श्रृंखला को पूरा कीजिए।

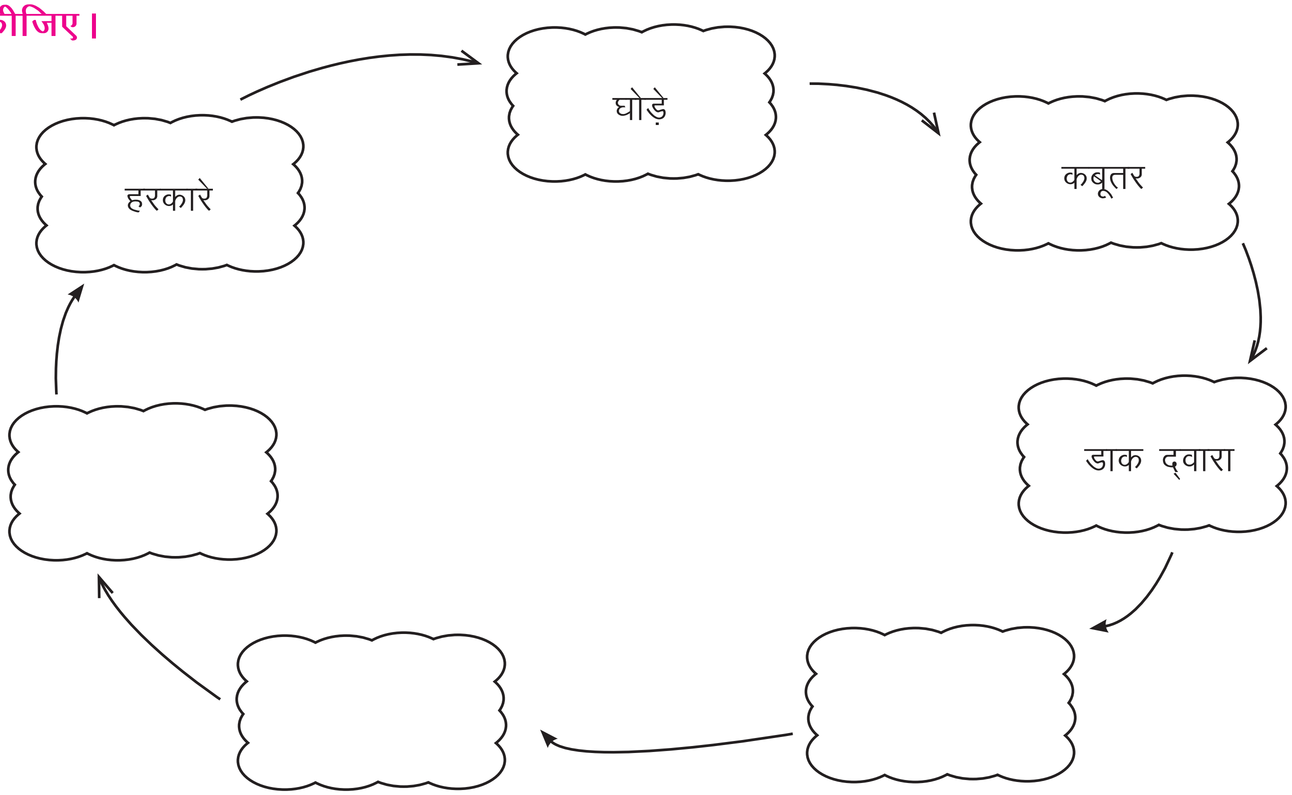

प्र०3 पाठ में पत्रों के अलग–अलग भाषाओं में नाम दिए गए हैं। दिए गए चित्र में विभिन्न भाषाओं में उनके नाम लिखिए।

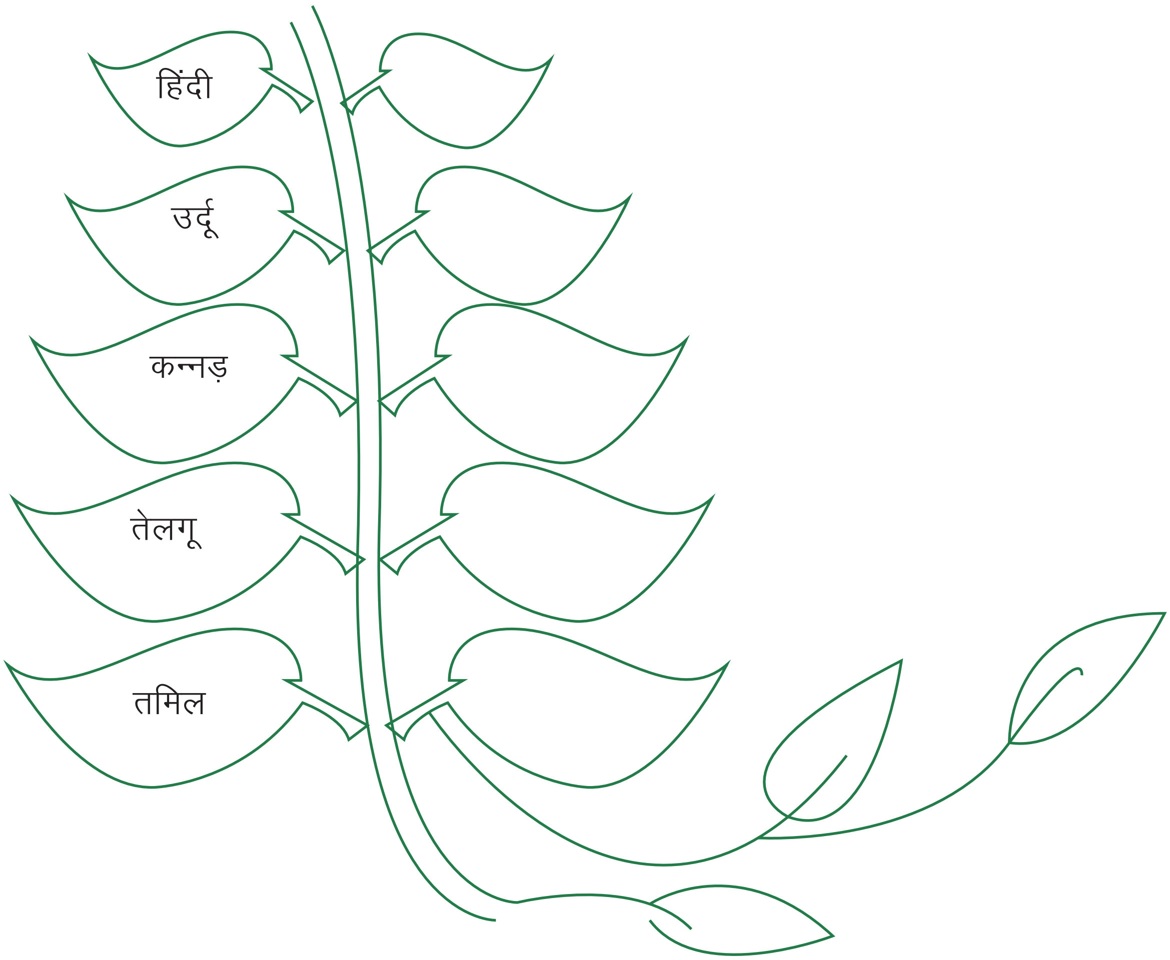

प्र०4 क्या आप जानते हैं, हमारे घरों में पत्र या मनी आर्डर कौन लाता है?

____

____

प्र०5 शब्द को उसके अर्थ के साथ मिलान करें।

हरकारा	लघु संदेश सेवा
आवाजाही	प्रशंसा पत्र
एस. एम. एस.	प्रमाण संबंधी कागजात
दस्तावेज	पुराने जमाने में संदेश पहुँचाने वाले
प्रशस्ति पत्र	आना–जाना

प्र०6 आजकल लोगों ने एक दूसरे को पत्र लिखना कम कर दिया है। आपके विचार से इसके क्या कारण हो सकते हैं? (कोई दो)

1. क्योंकि –

2. क्योंकि –

प्र०7 तमाम महान हस्तियों की सबसे बड़ी यादगार या धरोहर उनके द्वारा लिखे गए पत्र ही हैं। ऐसी कुछ हस्तियों के नाम लिखें–

____

____

____

____

प्र०8 पत्र व एस एम एस लेखन के दोनों प्रकारों में क्या–क्या समानताएं व असमानताएं हैं?

समानताएँ	असमानताएँ

प्र०9 पत्र लेखन के बारे में जानना हमारे लिए जरूरी है। अपने अध्यापक से पत्र के दो प्रमुख प्रकारों के बारे में जानिए।

1. वे पत्र जो हम अपने संबंधियों एवं मित्रों को लिखते हैं इन्हें [ ] कहा जाता है।

2. वे पत्र जो कर्मचारियों, अधिकारियों या किसी विभाग को शिकायत इत्यादि के लिए लिखे जाते हैं, [ ] पत्र कहलाते हैं।

प्र०10 लेखन

शब्दाभिव्यक्ति–

पत्र लगाकर नए शब्दों का निर्माण करें–:

समाचारपत्र --

-- --

-- --

-- --

प्र०11 रवि + इंद्र = रवींद्र

संग्रह + आलय = संग्रहालय

ऊपर के दो शब्दों को मिलाने से नए शब्द बने हैं, किंतु वास्तव में दो स्वरों का मेल होता है। स्वरों के इस मेल को संधि कहते हैं।

(रवि + इंद्र) में इ+इ का मेल होता है, जिससे ई (दीर्घ), (संग्रह+आलय) में अ़आ का मेल होता है, जिससे आ (दीर्घ) बना है। इसे दीर्घ संधि कहते हैं।

नोट– दीर्घ संधि में दो समान स्वरों (लघु / दीर्घ) के मेल से दीर्घ स्वर बन जाता है। जैसे–

राम	+	अवतार	= रामावतार	(अ + अ = आ)
नदी	+	ईश	= नदीश	(ई + ई = ई)
गुरु	+	उपदेश	= गुरूपदेश	(उ + उ = ऊ)

अब अपनी पाठ्य पुस्तक से इसी प्रकार के शब्द (जो दो शब्दों से मिलकर बने हों) छाँटें व उन्हें अलग–अलग शब्दों में लिखें–:

संग्रहालय

संग्रह + आलय

पाठशाला

.... + ...

....

.... + ...

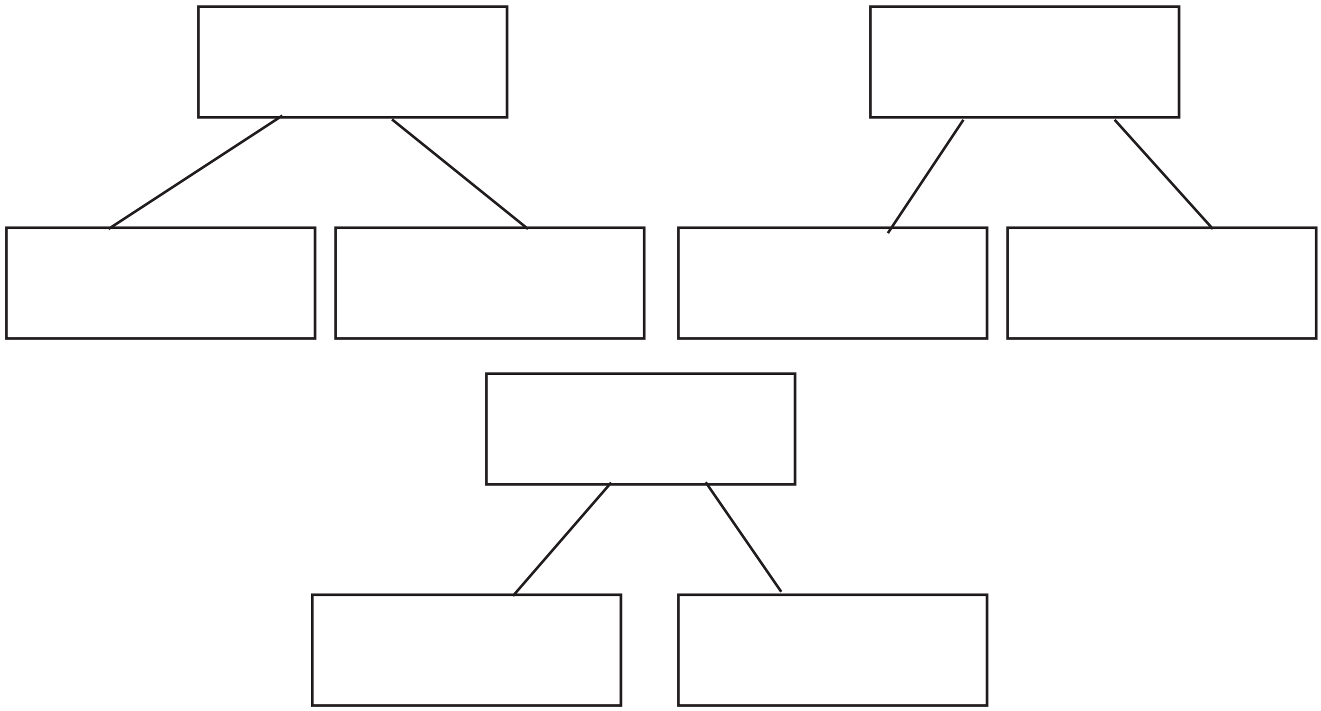

प्र०12 आओ कुछ नया करें।

प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं, जो किसी शब्द के अंत में लगकर उसका अर्थ बदल देते हैं। जैसे–

देव + त्व = देवत्व

प्रभु + त्व = प्रभुत्व

घबरा + आहट=घबराहट

लड़का + पन = लड़कपन

'इत' व 'इक' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाएँ। जैसे–

संभव + इत = संभावित

इतिहास + इक = ऐतिहासिक

शब्दाभिव्यक्ति–

'इक' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए।

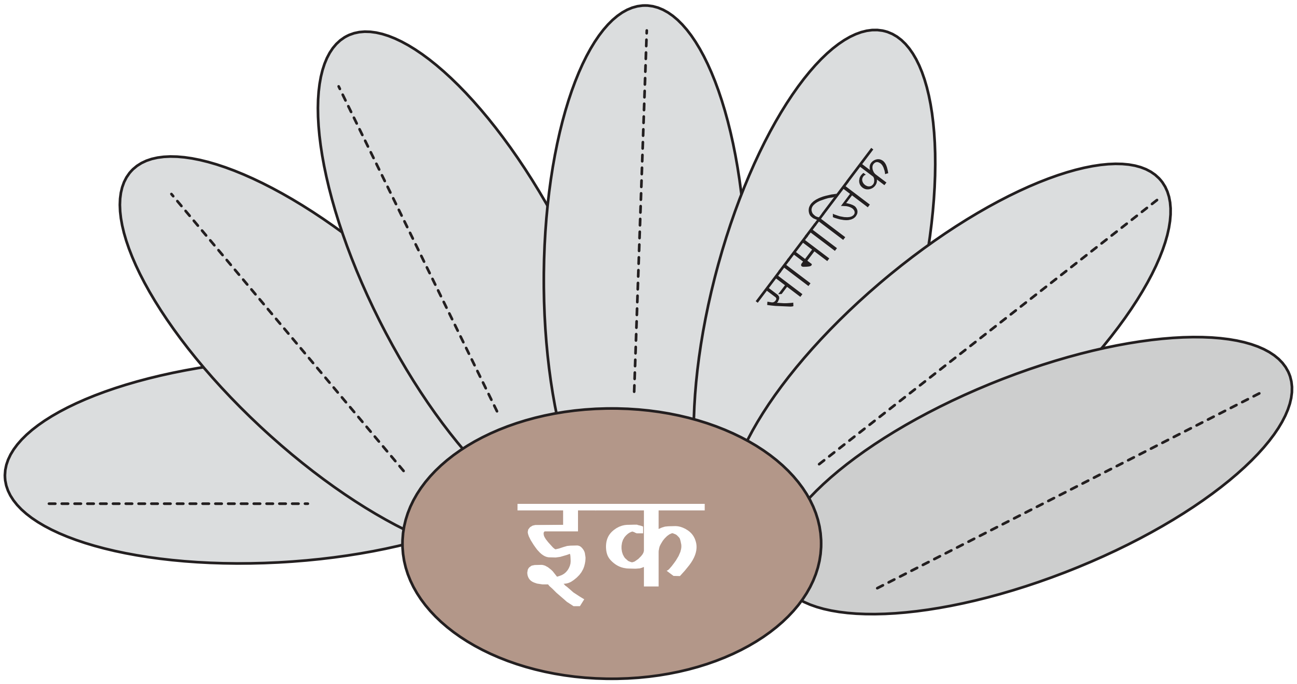

'इत' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए।

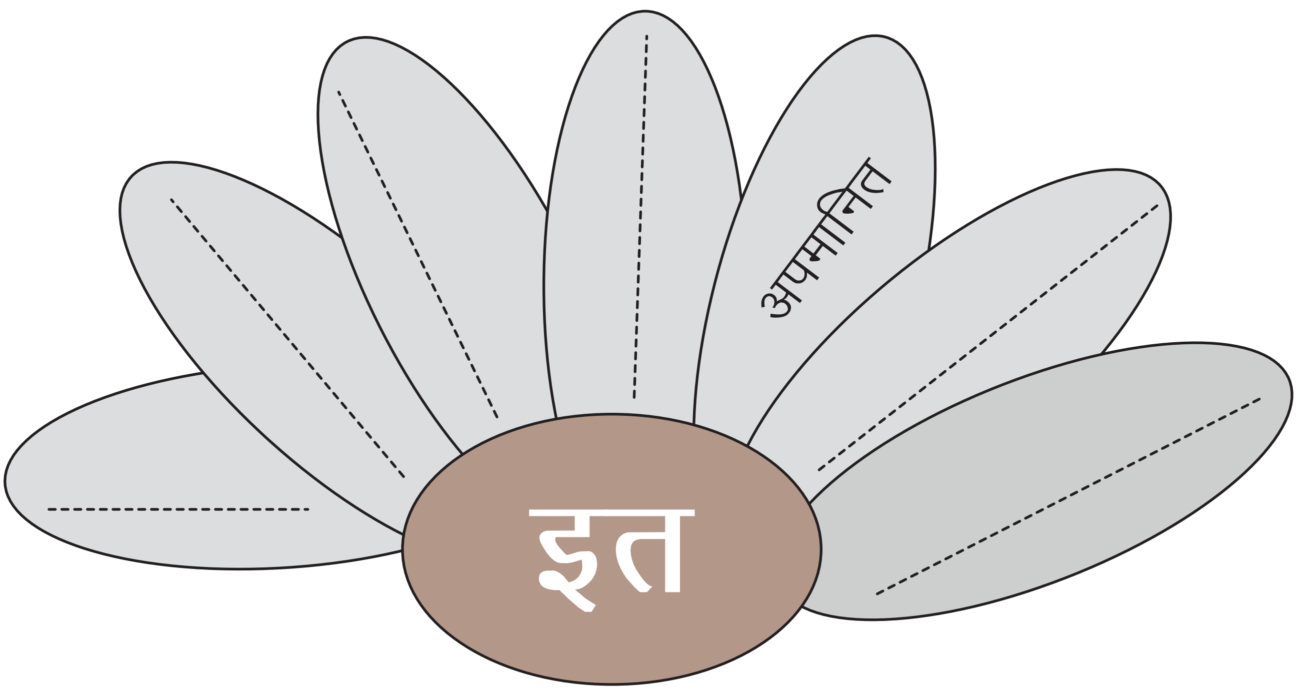

प्र०13 कोई ऐसा गीत या कविता जिसमें संदेश भेजने चिट्ठी भेजने की बात कही गई हो, सोचो व कक्षा में गाकर सुनाओ और यहां लिखो–

प्र०14 ''पिनकोड की कहानी''

पिनकोड यानी पोस्टल इंडेक्स नंबर।

पत्र पर लिखा गया ये छह अंको का ये कोड आपके एरिया की पूरी जानकारी दे देता है। पहले दो अंक राज्य, तीसरा अंक जिला और आखिरी तीन अंक पोस्ट आफिस का पता बता देते है। जैसे– दिल्ली का पिनकोड | 1 | 1 | 0 | 0 | 4 | 5 | 11 से शुरू होता है, जो दिल्ली राज्य का कोड है। आप अपने चार पड़ोसी राज्यों के नाम और उनके पिनकोड लिखिए।

____________________(   ) ____________________(   )

____________________(   ) ____________________(   )

प्र०15 अपने मित्र को होली की शुभकामनाएँ देते हुए पत्र लिखिए।

(स्वयं का पता)
____
____
____

दिनांक

प्रिय __________

मैं यहाँ कुशलता पूर्वक हूँ तथा आशा करता हूँ कि ______________________________
____
____
____
____
____
____
____
____
____
____
____

तुम्हारा मित्र

____

प्र०16 प्रोजेक्ट (परियोजना कार्य) बच्चो! संचार के नए एवं पुराने साधनों के बारे में आप समझ गए होगे। अखबार या अन्य उपयोग में न आने वाली पुस्तकों में से ऐसे (नए/पुराने) साधनों के चित्र इकट्ठे करें व उन्हें A-4 साइज की सीट पर चिपकाएँ (कोलाज) बनाएँ

शिक्षक निर्देश– अध्यापक छात्रों को समूह में परियोजना कार्य के रूप में इस प्रश्न को कराएँ!

प्र०17 नीचे दिए गए शब्दों / वाक्यों की मदद से वर्ग पहेली में सही शब्द भरिए

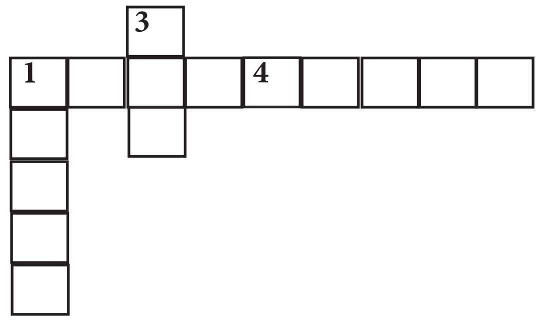

बाएँ से दाएँ

1. जो डाक/पत्र आदि बांटता है।
4. डाक द्वारा एक जगह से दूसरी जगह पैसे भेजना

ऊपर से नीचे

1. पत्र पर लगाया जाने वाले टिकट
3. कोशिश/प्रयत्न

अधिकतम संप्राप्तिः

1. पाठ्य वस्तु को पढ़कर उसकी बारीकी से जॉच करते हुए विशेष विंदुओं को खोजते, अनुमान लगाते व निष्कर्ष निकालते हैं।
2. विभिन्न ऐतिहासिक पत्रों के महत्व से रूबरू होकर पत्रों के जीवन में महत्व को समझते हैं तथा पत्रों के लेखन कौशल में दक्षता हासिल करते हैं।
3. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।
4. भाषायी समझ रखते हुए उनको बोलने और लिखने में इसतेमाल करते हैं। जैसे– संधि, प्रत्यय, ह्रस्व व दीर्घ स्वरों की पहचान एवं संधि संयोजन, विच्छेद में पहचान करते हैं।
5. प्राचीन एवं आधुनिक जीवनशैली के अंतर को अनुभव करते हैं।

शब्दकोश से शब्द ढूंढते हैं।

भगवान के डाकिए

पाठ 4

–रामधारी सिंह 'दिनकर'

प्यारे बच्चो! आपने पक्षी व बादलों को आकाश में उड़ते हुए जरूर देखा होगा। आप सोचते होंगे– आखिर ये कहाँ से कहाँ तक उड़ जाते हैं? उनके उड़ने की कोई सीमा है या नहीं ? ये एक जगह से दूसरी जगह क्या लाते या क्या ले जाते हैं?

इस विषय पर आधारित कविता 'भगवान के डाकिए'एक संदेशात्मक कविता है, जिसमें पक्षी व बादलों को संदेश वाहक माना गया है। ये दोनों भगवान के डाकिए हैं और संदेश लाने व ले जाने का काम करते हैं। इनके संदेश पेड़–पौधे, पानी व पहाड़, अपने–अपने तरीके से पढ़ते हैं। वस्तुतः पक्षी व बादल प्रेम, सद्भाव तथा एकता का संदेश एक देश से दूसरे देश में पहुँचाते हैं। तो चलिए! इस कविता को गाएँ–गुनगुनाएं, अपनी समझ बढ़ाएँ ....

प्र०1 कुछ शब्द और उनके अर्थ इस फूल की पंखुडियों में जल्दी से आकर बैठ गये थे। लेकिन जल्दीबाजी में वे एक—दूसरे से अलग हो गये हैं।

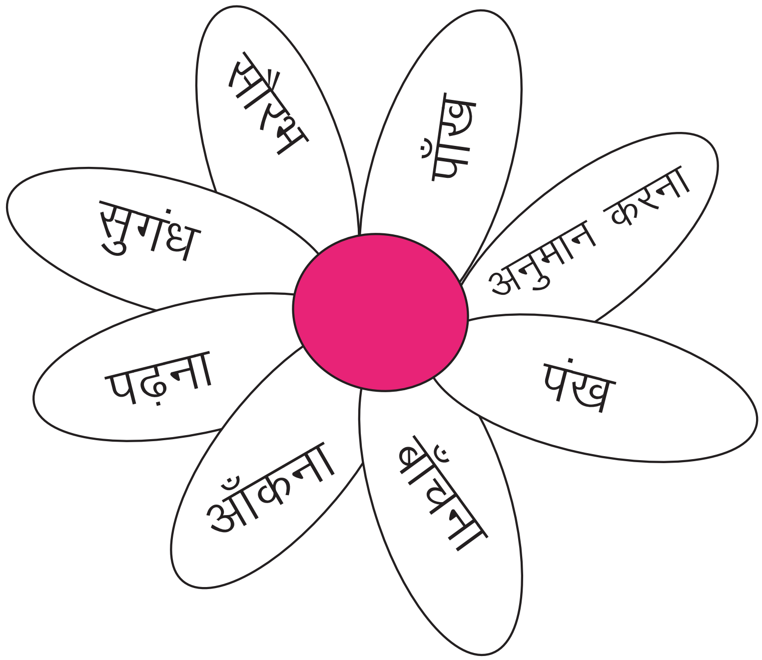

क्या आप उन्हें एक—दूसरे के साथ बैठने में मदद कर सकते है?

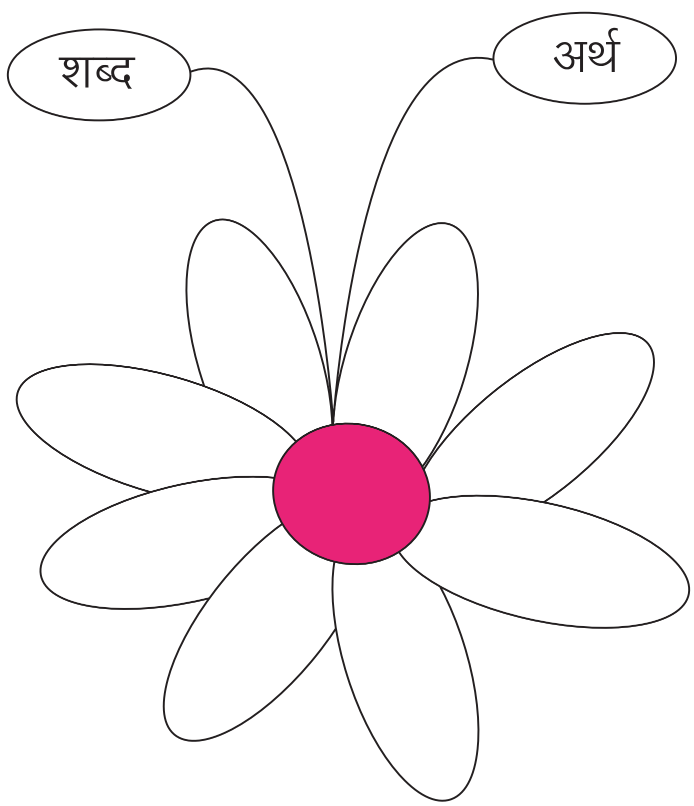

प्र०2 'भगवान के डाकिए' कविता के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) .... ये भगवान के डाकिए हैं।

(ख) एक देश की धरती दूसरे देश को .... भेजती है।

(ग) एक देश का भाप दूसरे देश में पानी बनकर .... है।

(घ) 'भगवान के डाकिए' के कवि .... है।

प्र०3 पक्षी व बादल के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाह रहे हैं?

____

____

प्र०4 (क)'भगवान के डाकिए' कविता की आपको सबसे अच्छी पंक्तियां कौन सी लगीं? उन्हें लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

(ख) इन पंक्तियों का आशय भी स्पष्ट करें।

....
....
....
....
....
....
....
....

प्र०5 ''एक देश की धरती दूसरे देश की धरती को सुगंध भेजती है'' इस कथन का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

....
....
....
....
....
....
....
....

प्र०6 पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन–कौन बाँच (पढ़) सकते हैं?

____

____

____

____

प्र०7 नीचे लिखे शब्दों के अर्थ जानकर वाक्य बनाए–

(क) प्रेम – ____________

____

(ख) बाँचना – ____________

____

(ग) आँकना– ____________

____

(घ) पाँख – ____________

____

(ड.) सौरभ – ____________

____

प्र०8 विलोम शब्दों का सही मिलान कीजिए–

सुगंध	आकाश
धरती	दुर्गन्ध
भाप	विदेश
देश	पानी

प्र०9 आप अपनी खैर खबर अपने प्रिय जनों तक कैसे पहुँचाते हैं?

प्र०10 क्या आपने अपने आस–पड़ौस में डाकिए को डाक बाँटते हुए देखा है? पुराने समय में डाकिए से लोगों को अपनापन महसूस होने लगता था। आपको क्या लगता है, ऐसा क्यों होता होगा?

प्र०11 दिए गए शब्दों को प्रयुक्त करते हुए छोटी सी कविता रचें।

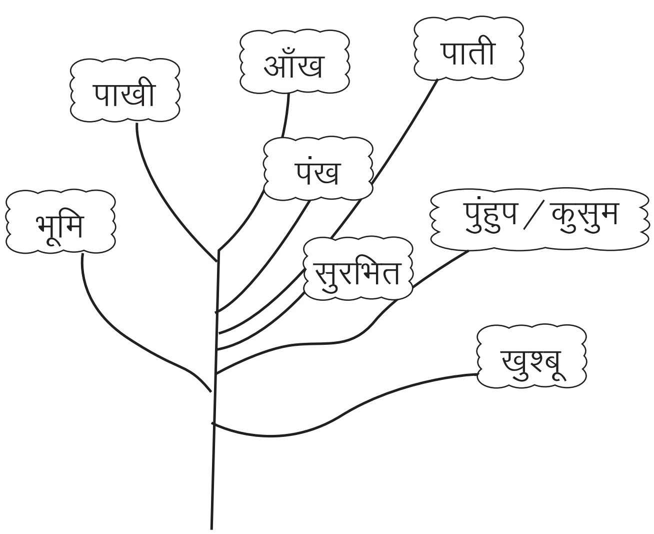

प्र०12 नीचे कुछ चित्र दिये गये हैं। आप उनके कितने नाम (पर्यायवाची शब्द) लिख सकते हैं?

(i) पर्वत..

(ii) पक्षी..

(iii) 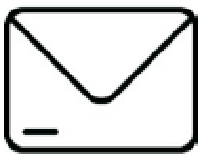 पत्र..

(iv) पुष्प..

(v) रवि..

(vi) मेघ..

(vii) घर..

(viii) वृक्ष...

(ix) 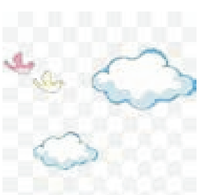 आसमान...

(x) धरती...

प्र०13 दिए गए उपसर्गों से शब्द निर्माण करें व पत्तों में लिखें।

प्र०14 कल्पना कीजिए यदि आप पक्षी होते तो क्या संदेश देते और किसको देते

(क) किसको देते?

(ख) आप बादल के रूप में क्या संदेश लेकर जाते? यह संदेश आप किसे देते?

प्र०15 पूरा कीजिए–

एक चिट्ठी की कहानी उसी की जुबानी

मैं चिट्ठी हूँ। कई लोग मुझे पत्र भी कहते हैं..

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्र०16 चलो, कहानी पूरी करें!

एक दिन, एक सुंदर छोटी सी चिड़िया आकाश का संदेश लेकर धरती की ओर आ रही थी।

रास्ते में उसकी मुलाकात --

से हुई। चिड़िया ने कहा --

जब चिड़िया धरती पर पहुंची, तो उसने देखा ---

--- चिड़िया बहुत --------------------------

हुई। उसने वापस आकर आकाश से कहा ---

अधिगम संप्राप्तिः

1. सामाजिक एवम् संवेदनशील मुद्दों को समझते हैं।
2. पाठ में आए विलोम, पर्यायवाची, उपसर्ग को पहचानते हैं।
3. विभिन्न परिस्थितियों के अनुरूप अपने 8–10 वाक्यों में लिखते हैं।
4. रचनात्मक तरीके से सोचते हैं।

'क्या निराशा हुआ जाए'

पाठ 5

–हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्यारे बच्चो! हम अपने आसपास देखते हैं कि अधिकांश लोग हमारे जीवन को सुखमय बनाने हेतु तत्पर हैं। जैसे– माता–पिता प्रेम से हमारा पालन कर रहे हैं। हमारे मित्र–सम्बन्धी भी सदैव मदद के लिए तैयार रहते ही हैं और प्रकृति यानी हवा, पानी, भूमि, सूर्य की रोशनी आकाश भी हमारे शरीर का निरतंर पोषण कर रही है। देखा जाए तो पूरे जीवन में अच्छा ही हो रहा है। क्या एकाध अप्रिय घटना हो जाने पर हमें निराश होना चाहिए? नहीं। हम मानव, इस सृष्टि की सर्वोत्तम रचना हैं। हममें बुद्धि और विवेक (अच्छे–बुरे की पहचान) है, जो शायद अन्य जीव–जंतुओं में इतना अधिक विकसित नहीं है। किंतु हम अपने विवेक का दुरुपयोग करते हुए सकारात्मकता से नकारात्मकता की ओर अधिक आकर्षित होते हैं, इसीलिए पूरा मीडिया भी नकारात्मक घटनाओं का वर्णन करने में लगा है। ऐसा लगता है कि पूरी दुनिया में केवल दुर्घटनाएँ ही हो रही हैं। कहीं भी कुछ अच्छा, कुछ नया हो ही नहीं रहा। वास्तव में जब हम अपने चारों ओर अच्छाई देखते, कहते और सुनते हैं तो अच्छाई का ही फैलाव होने लगता है। इसके विपरीत बुराई देखने, कहने और सुनने से, उसका ही प्रसार होने का खतरा ज्यादा रहता है। हजारी प्रसाद द्विवेदी जी इस पाठ 'क्या निराश हुआ जाए' में अनेक उदाहरणों द्वारा बुराई का चश्मा उतार कर, अच्छाई देखने का अनुरोध करते दिख रहे हैं, चलिए पढ़कर देखें .. ..

प्र०1 नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करें–

चरम –

____

बेबस –

____

उपेक्षा –

____

निर्जन –

गन्तव्य –

विचित्र –

आरोप –

उन्नत –

उद्घाटन –

प्रमाण –

प्र०2 पाठ में भारत के चार महान व्यक्तियों के नाम आए हैं। उनके नाम नीचे लिखें–

प्र०3 टिकट बाबू ने लेखक को कितने रुपये वापिस दिए और क्यों?

प्र०4 कंडक्टर के जाने पर बस में बैठे लोगों ने क्या अनुमान लगाया?

प्र०5 कंडक्टर क्या–क्या लेकर वापिस आया?

प्र०6 आप बस में कहीं जा रहे हैं। आपके पास की सीट पर एक बुजुर्ग महिला बैठी हैं। टिकट के लिए पैसे निकालते समय उनके पर्स से 100 रुपये का एक नोट और कोई एक कागज गिर पड़ा। महिला का ध्यान इन चीजों पर नहीं था। बस के अन्य यात्रियों की नज़र भी नहीं पड़ी। आप क्या करोगे?

जो कागज महिला के पर्स से गिरा। वह क्या हो सकता है? आपको ऐसा क्यों लगा?

प्र०7 पिछले (विगत) एक सप्ताह के समाचार पत्रों में से कम से कम पाँच ऐसी घटनाओं का संग्रह कीजिए जहाँ किसी ने निःस्वार्थ भाव से किसी और की सहायता की हो। अगर आपके पास समाचार पत्र है तो आप इन घटनाओं की कटिंग यहाँ चिपका सकते हैं।

समाचार

प्र०8 इस पाठ में दया–ममता, सच्चाई और ईमानदारी आदि अच्छाइयों की बात की गई है। आपके अनुसार और कौन–कौन सी अच्छाइयाँ हैं, जिनसे अपने और समाज के जीवन को और अच्छा बनाया जा सकता है। उनके नाम लिखिए–

प्र०9 मेरे सपनों की दुनिया— --

प्र०10 मेरे सपनों का भारत— --

प्र०11 पाठ से संज्ञा शब्द छाँट कर लिखिए।

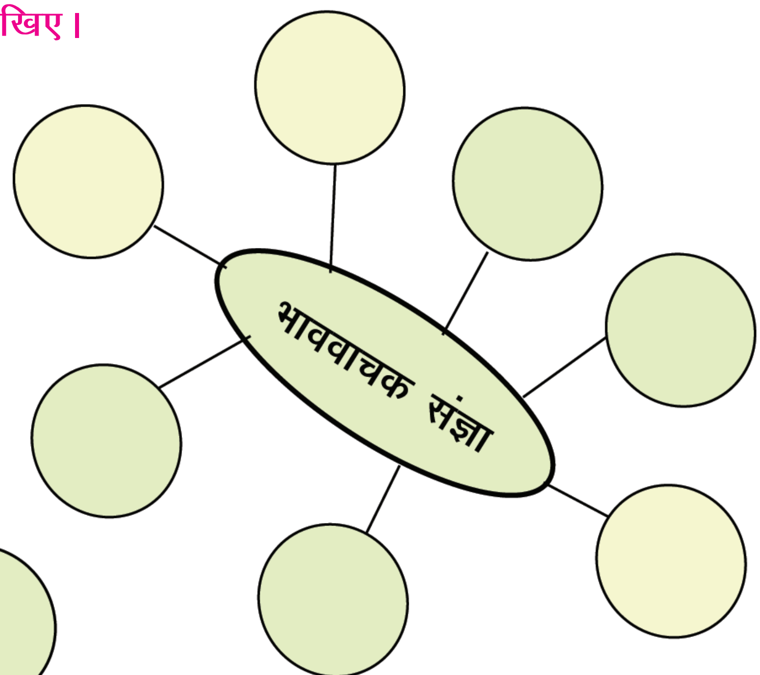

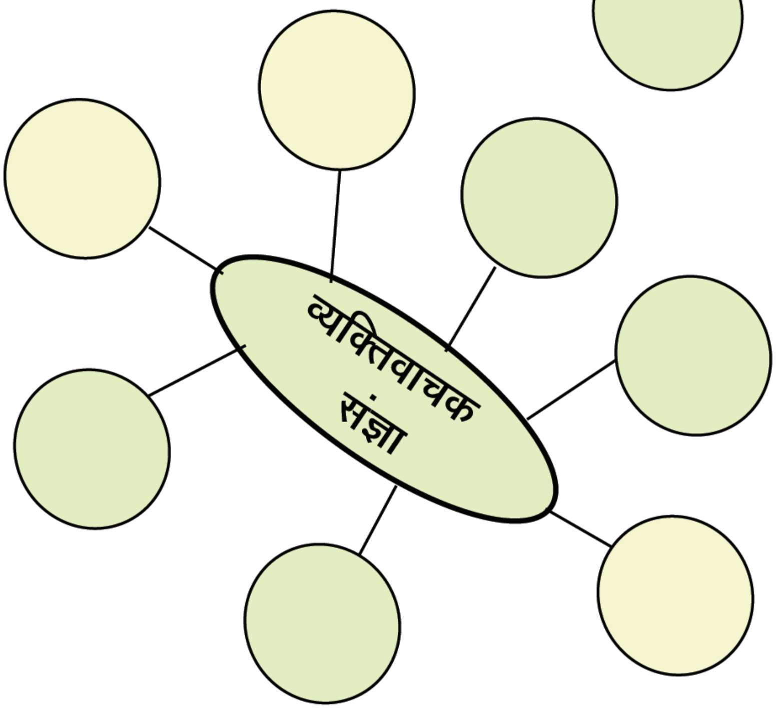

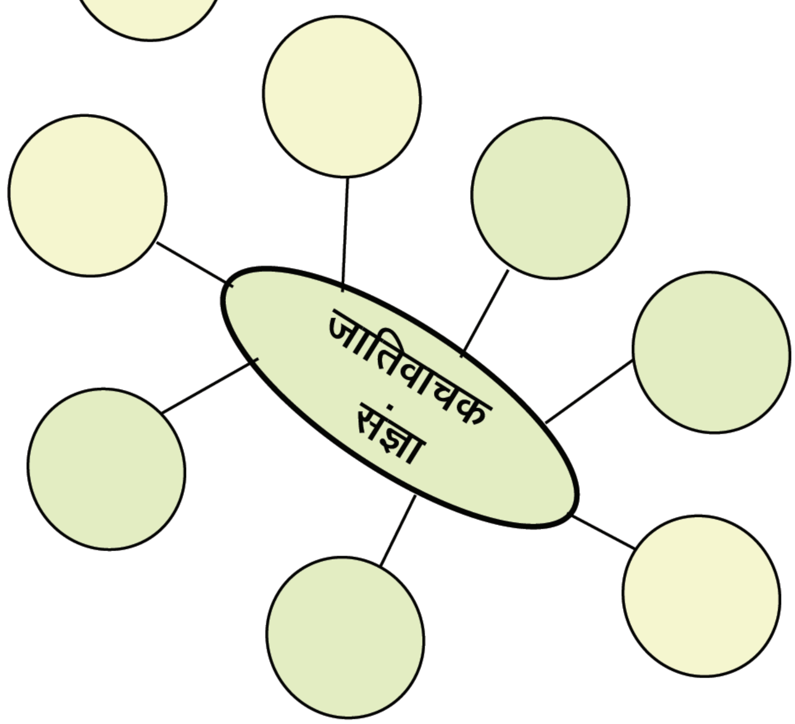

प्र०12 बच्चों, आपको द्वन्द्व समास याद है न! जिसमें दो शब्दों के बीच 'और' छिपा होता है–रू जैसे दाल–रोटी – दाल और रोटी।

पाठ में से छाँटकर कुछ ऐसे शब्द लिखिए जो द्वन्द्व समास के उदाहरण हैं।

प्र०13 हम शब्द हैं। हमारे अर्थ हमसे कहीं खो गये हैं। क्या आप हमारे अर्थों को हमारे साथ रख सकते हो?

धर्मभीरू → ________

पर्दाफाश → ________

उजागर → ________

ढ़ांढ़स → ________

आक्रोश → ________

त्रुटि → ________

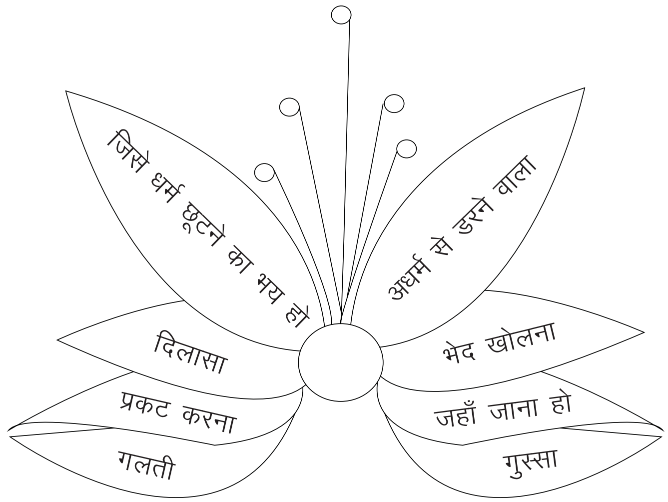

प्र०14 क्या आप ऐसे शब्द लिखकर हम दोनों गेंदों को भर सकते हो?

समानार्थी | विपरीत (विलोम) शब्द

.... दिवसः वासर .... दिन .... रात ....

.... सफेद ....

.... आकाश ....

....

....

....

....

....

प्र०14 वाक्यों को पढ़कर सही (उचित) विराम चिह्न लगाइए।

। , ? ! : ;

(i) क्या निराश हुआ जाए

(ii) मेरे मन निराश होने की ज़रूरत नहीं है

(iii) पंडित जी बच्चों का रोना मुझसे देखा नहीं गया

(iv) कैसे कहूँ कि मनुष्यता एकदम समाप्त हो गई

अधिगम संप्राप्तिः

1. अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।
2. पाठ्य वस्तु को पढ़कर विशेष बिन्दु को खोजते है व निष्कर्ष निकालते हैं।
3. पाठ में आए संज्ञा, विलोम, समानार्थी शब्दों को पहचानते हैं।
4. रचनात्मक तरीके से सोचते हैं।

कबीर की सखियाँ

पाठ 6

काशी बसे जुलाहा एक।

हरि भगतन की पकड़ी टेक।।

मुसलमान हमारी जाती।

माला पाऊँ कैसी भांती।।

बचपन के इस संशय ने निर्गुणी कबीर को जन्म दिया, जो स्वयं धर्म, जाति के बंधनों से मुक्त होकर पूरे संसार को मानवता का सच्चा पाठ पढ़ा गए। पंद्रहवीं शताब्दी के संत कबीर ने अपना जीवन ही अपने शब्द, दोहों और साखी में उतारा है। उनकी बोली या भाषा इतनी सरल और सच्ची रही कि आज इक्कीसवीं सदी के समाज को भी उतना ही प्रभावित करती थी, जितना कबीर जी के अपने जीवन काल में करती थी। उत्तर भारत में तो कोई विरला ही कबीर की वाणी से अपरिचित होगा। भक्ति तथा

सामाजिक संबंधों के बारे में जो विचार कबीर ने दिए हैं, वे वर्ण, सम्प्रदाय, धर्म, जाति, बोली, भाषा के भेद मिटाते हुए आज भी हमें सही राह दिखाते हैं। साधु–संतों की तरह जगह–जगह घूमकर वहाँ की स्थानीय बोली के शब्दों में कही गई संत कबीर की बात सभी के दिलों को छू लेती है, इसीलिए इनकी भाषा को पंचमेल खिचड़ी या सधुक्कड़ी भाषा भी कहते हैं। कबीर भक्ति को पूजा–पाठ, नमाज, प्रार्थना आदि ढोंग आडम्बरों से अलग, मन के भाव से जोड़ते हैं और मन की साधना को सभी सिद्धियों का मूल मानते हुए कहते हैं–

तन को जोगी सब करैं, मन को बिरला कोय।

सब सिद्धि सहजै पाइये, जे मन जोगी होय।

ऐसे ही दोहों में कबीर जी अपनी 'साखी' यानी अपनी आँखों देखकर भली प्रकार समझी हुई बात कहते हैं। आइए, उन्हें पढ़ें तो सही–

प्र०1 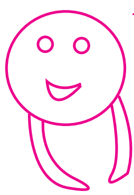 **पता लगाइए कबीर दास के दोहों को 'साखी' क्यों कहते हैं?**

प्र०2 नीचे दी गई साखियों को पूरा कीजिए–

(i) माला तो कर...।

....।।

(ii) जग में बैरी...।

....।।

(iii) ....उलटत होइ अनेक।

.... ।।

(iv) कबीर घास.. ।

.... ।।

(v) .... ।

....पड़ा रहन दो म्यान।।

प्र०3 रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवे सुई, कहा करें तरवारि।।

यह दोहा रहीम दास जी ने लिखा है।

क्या आप कबीर दास जी की उस साखी को लिख सकते हैं, जिसमें इसी भाव की अभिव्यक्ति हुई है।

प्र०4 मैं एक तिनका हूँ। अधिकतर लोग मुझे कोई महत्त्व नहीं देते लेकिन समय आने पर मैं किसी की जान भी बचा सकता हूँ। 'डूबते को तिनके का सहारा' यह मुहावरा तो आप जानते ही होंगे। आप मेरे विषय में क्या सोचते हैं? मुझे एक पत्र लिखकर बताएं।

प्रिय तिनके,

आपकी/आपका दोस्त

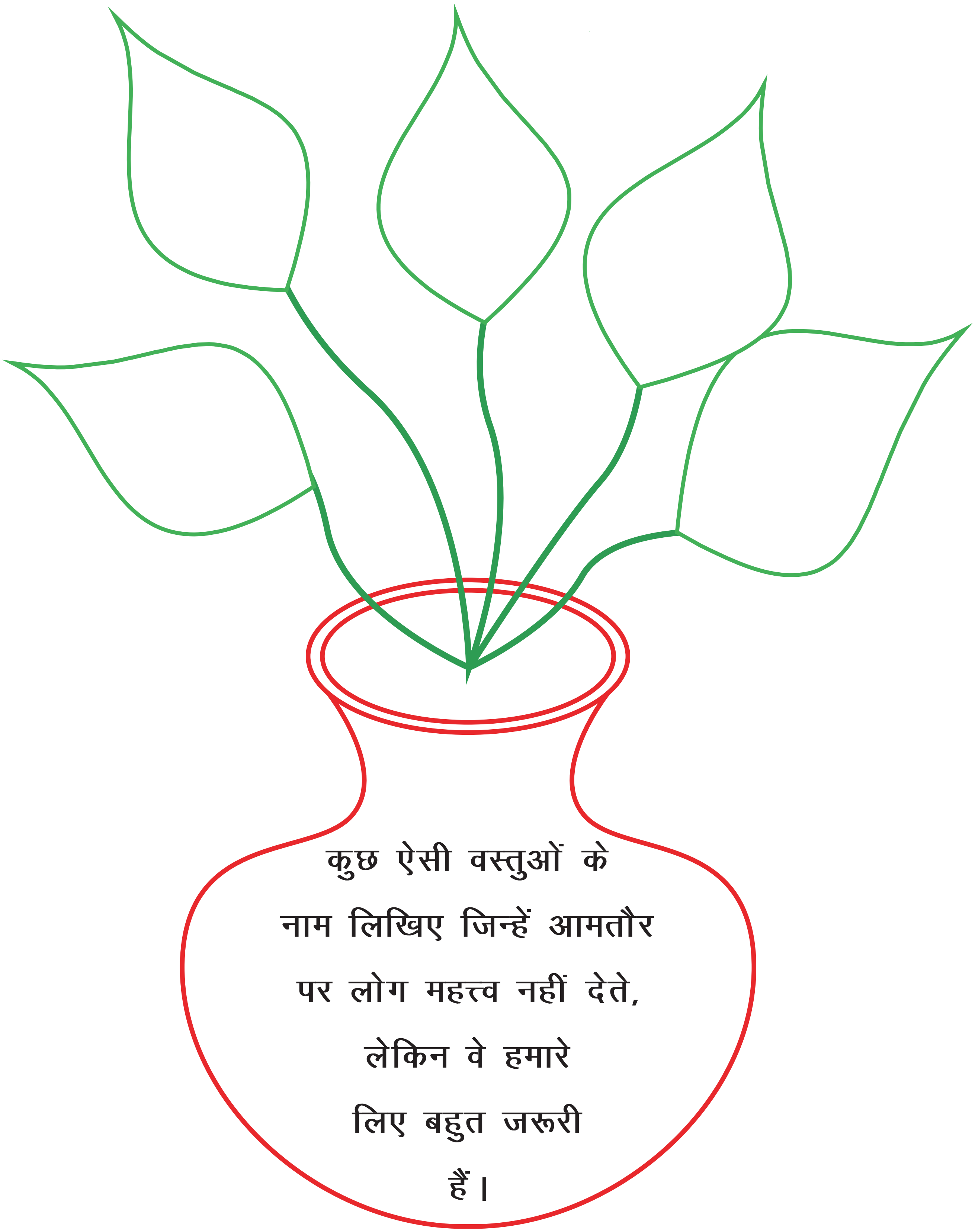
कुछ ऐसी वस्तुओं के
नाम लिखिए जिन्हें आमतौर
पर लोग महत्त्व नहीं देते,
लेकिन वे हमारे
लिए बहुत जरूरी
हैं।

प्र०6 इन शब्दों को उनके सही अर्थ के साथ मिलाकर लिखिए।

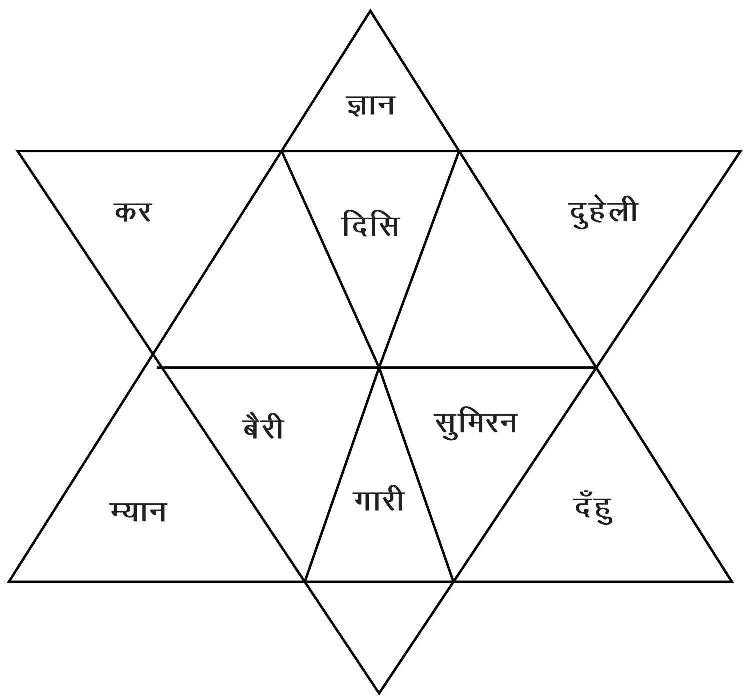

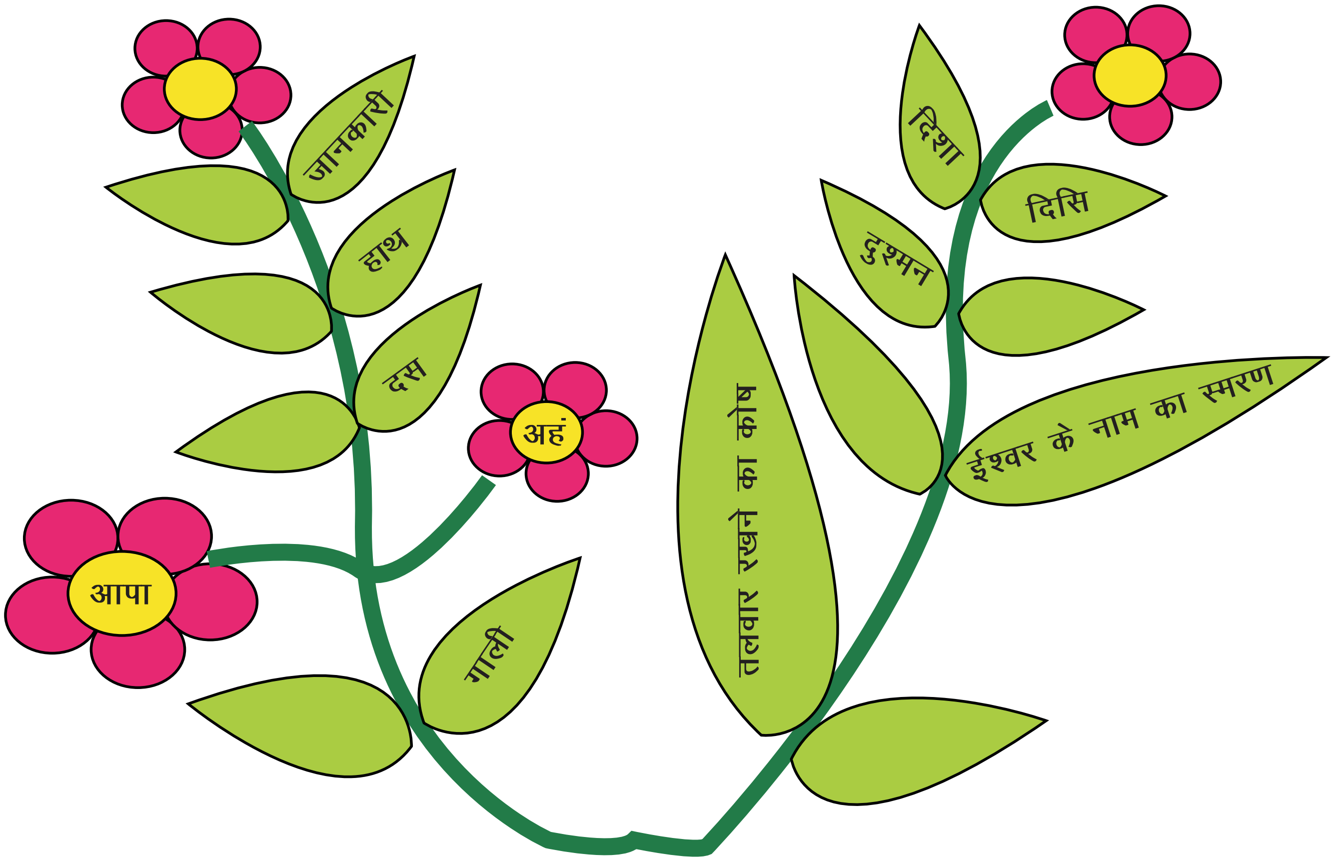

प्र०7

कल्पना कीजिए, आप एक लाठी हैं। कई लोग आपका उपयोग अच्छे कार्यों के लिए करते हैं। जबकि कई लोग आपसे अनुचित कार्य करवाते होंगे। ऐसे में आप कैसा महसूस करते हैं? डायरी के दो पन्ने लिखकर बताइए।

प्र०8 दी गई साखियों में क्षेत्रीय बोलियों का प्रभाव दिखाई, जिस कारण उनके उच्चारण और वर्तनी में अंतर आ जाता है। ऐसे शब्द देशज शब्द कहलाते हैं। दिए गए शब्दों को उनके प्रचलित हिंदी रूप से मिलाइए।

बानि	
दिसि	
दुहेली	
तरवार	
बैरी	
औखि	
सीतल	
जीभि	
पाऊँ	
तलि	

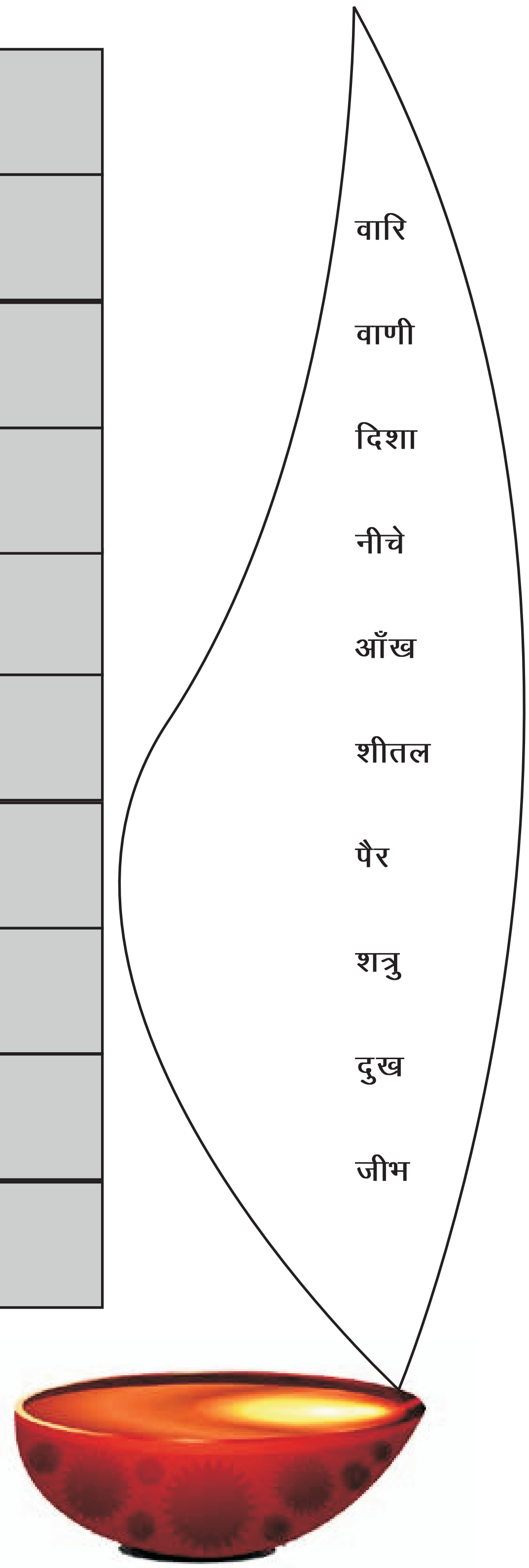

प्र०9 कबीर जी भक्त कवि होने के साथ–साथ समाज सुधारक भी थे, उन्होंने समाज की बुराईयों के खिलाफ आवाज उठाई और लोगों को ज्ञान देकर उनके अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करने का प्रयत्न किया। वर्तमान समय में अनेक लोग समाज के लिए कार्य कर रहे हैं। क्या आप किसी भी ऐसे व्यक्ति को/के बारे में जानते हैं? ऐसे व्यक्ति का परिचय और उसके कार्य के बारे में लिखिए।

प्र०10 कबीर ने साखियाँ लिखते समय देशज शब्दों का प्रयोग किया है। आप पुस्तक के अन्य पाठों में से देशज (क्षेत्रीय बोली) शब्दों को खोजकर लिखिए, साथ ही उनके प्रचलित हिंदी रूप भी लिखिए।

देशज शब्द	मानक रूप (प्रचलित रूप)
मुलुक	मुल्क
खमा	क्षमा
----------------------------------	----------------------------------
----------------------------------	----------------------------------
----------------------------------	----------------------------------
----------------------------------	----------------------------------
----------------------------------	----------------------------------
----------------------------------	----------------------------------
----------------------------------	----------------------------------
----------------------------------	----------------------------------
----------------------------------	----------------------------------
----------------------------------	----------------------------------

प्र०11 समानार्थी शब्द

किसी शब्द के मिलते–जुलते अर्थ वाले शब्द को समानार्थी शब्द कहते हैं। दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्द के स्थान पर समानार्थी शब्द इस प्रकार लिखिए कि वाक्य का अर्थ न बदले।

1. जग में कोई बैरी नहीं होता है।

जग में कोई शत्रु नहीं होता है।

ऊपर दिए गए उदाहरण को ध्यान से पढ़िए और समझिए–

1) माला हाथ में फिरती है।

----

2) हम सबने मिलकर तय किया कि सब बाहर घूमने चलेंगे।

----

3) मैंने अपने भाई को चिट्‌ठी लिखी थी।

----

4) थोड़ा काम शेष रह गया है।

----

5) आसमान में बादल छा गए हैं।

प्र०12 वचन बदलो

वचन बदलते समय ध्यान रखना चाहिए कि जिन स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'ा' की मात्रा होती है, उनका बहुवचन रूप बनाते समय उस शब्द में ए तथा 'ँ' लगता है। जैसे–

एकवचन	बहुवचन
बाला	बालाएँ

इसी प्रकार दिए गए शब्दों का बहुवचन रूप लिखिएः–

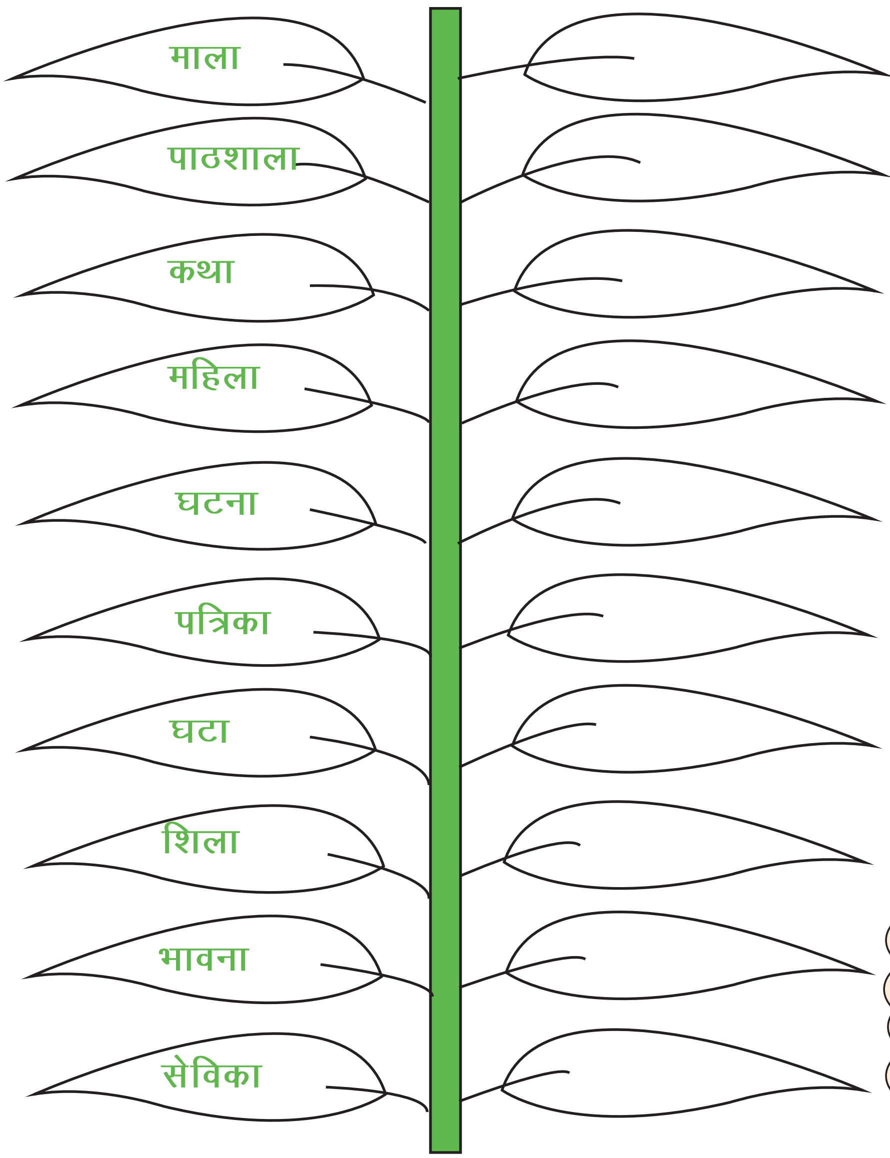

बूझो तो जानें–

तीन पैरों वाली तितली,
सज संवर कर कड़ाही से निकली।

अधिगम संप्राप्तिः

1. सामाजिक संबंधों के विषय में कबीर के विचारों से अवगत होते हैं।
2. समाज में व्याप्त धार्मिक कुरीतियों के विषय में जानते हैं। व उनके विषय में अपने विचार रखते हैं।
3. शब्दों के अर्थ शब्दकोश में खोजकर, उनका सन्दर्भ अनुसार प्रयोग करते हैं।
4. भारत की क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों के विषय में जानकारी बढ़ाते हैं।
5. अपने विचारों को विधा अनुसार मौलिक भाषा शैली में अभिव्यक्त करते हैं।

'कामचोर'

पाठ 7

—इस्मत चुगताई

मित्रो! आजकल ज्यादातर बच्चों को सुनने को मिलता है कि बच्चे आलसी हैं, काम नहीं करते, कामचोर हो गए हैं, किसी की सुनते ही नहीं, अपने मन की करते हैं। टी.वी. व फोन में लगे रहते हैं। दोस्तों के साथ खेलते रहते हैं। पढ़ने में ध्यान नहीं देते।

ऐसी ही अन्य अनेक बातें केवल आप ही नहीं, बल्कि दुनिया के लगभग सभी बच्चे कभी न कभी अवश्य सुनते होंगे। ऐसी ही बातें आपको इस रोचक कहानी में पढ़ने को मिलेगी और पात्र भी आप जैसे कुछ बच्चे हैं। बच्चे भी ऐसे जो अति उत्साह के साथ काम करते रहते हैं, मगर योजना के अभाव व नासमझी के कारण उनका काम बिगड़ जाता है।

इस कहानी की लेखिका इस्मत चुगताई हैं, इन्हें इस्मत आपा के नाम से भी जाना जाता है। कहानी में उन्होंने ठेठ मुहावरेदार भाषा का प्रयोग किया था, जो अद्भुत है और इसने उनकी रचनाओं को लोकप्रिय बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने बच्चों के लिए बहुत सी कहानियां लिखी हैं। जैसे—प्रस्तुत कहानी 'कामचोर' जो हास्य शैली में लिखी गई है। मनोरंजन के साथ—साथ यह कहानी हमें कुछ संदेश भी देती है। हमें किसी भी काम को बड़ी सूझबूझ के साथ करना चाहिए, वरना बिना सोचे समझे किया गया काम कई बार हमें मुसीबत में डाल सकता है।

प्र०1 शब्द के साथ सही अर्थ का मिलान कीजिए–

वाद विवाद	भूकम्प
भूचाल	तर्क वितर्क
फरमान	फौजी टुकड़ी
दालान	सना हुआ
कुमक	राजाज्ञा
लथपथ	बरामदा

प्र०2 पाठ में बच्चों को सुधारने के लिए जो कदम उठाया गया। आपकी दृष्टि में वह कितना उचित है? लिखो।

प्र०3 कहानी में समृद्ध परिवार के उधमी बच्चों की बिगड़ी हुई आदत को सुधारने के लिए आप क्या–क्या सुझाव देंगे?

प्र०4 'कामचोर' कहानी के आधार पर निम्न रिक्त स्थानों की पूर्ति करें—

(य) 'कामचोर' कहानी की लेखिका --------------------------------- हैं।

(र) --------------------------------- ने कहा कि ये भला काम करेंगे।

(ल) पेड़ों को पानी देने के लिए एक लोग--------------------------------- पर जुट गए।

(व) भैंस के पिछले दो पैर --------------------------------- की चारपाई से बाँध दिए गए।

(ह) पूरी बटालियन का कोर्ट मार्शल -------------------------- ने किया।

प्र०5 आपके अनुसर कहानी मूलतः क्या संदेश देती है?

प्र०6 आपके विचार से समय पर कार्य करना क्यों आवश्यक है? तर्क सहित बताइए।

प्र०7 संकेतों की सहायता से वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखकर शब्द सीढी पूरी कीजिए।

संकेत

बाएं से दाएं

1. जो कभी बूढ़ा न हो
2. जिसमें धैर्य न हो
3. जहाँ जाना कठिन हो
4. जो आसानी से मिल सके

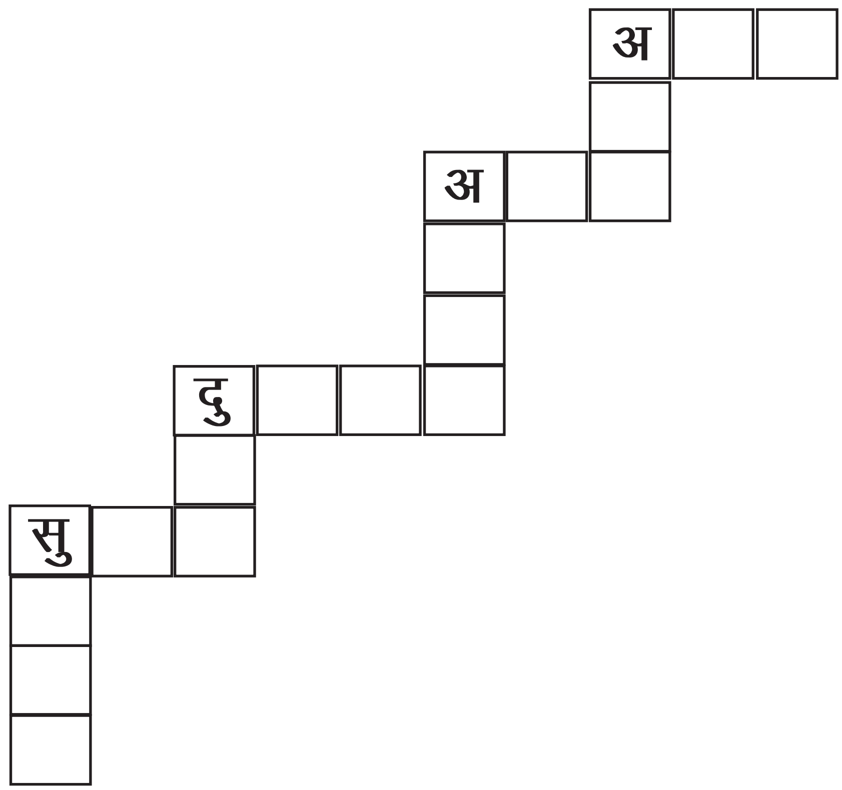

ऊपर से नीचे

1. जिसकी कभी मृत्यु न हो
2. जिसकी कोई उपमा न हो
3. जो कठिनाई से मिले
4. जिसका दर्शन अच्छा हो

प्र०8 कामचोर कहानी में वर्णित कौन–कौन से रिश्ते/रिश्तेदार एक साथ रहते हैं।

प्र०9 आपको इस पाठ में कौन–कौन सा प्रसंग सबसे अच्छा लगा, उसे अपने शब्दों में लिखो–

प्र०10 आपके पविार में कितने सदस्य हैं। बड़े से लेकर छोटे सदस्यों के कामों का वर्णन लिखिए।

प्र०11 घर के किन कामों को आप रुचि के साथ करते हैं और किन कामों को बाध्यता के साथ करते हैं। लिखिए–

प्र०12 (a) आपको घर पर कुछ काम करने की जिम्मेदारी दी गई, किन्तु वह काम किन्हीं कारणवश बिगड़ गया। अपने उस अनुभव को यहाँ लिखें।

प्रश्न (b) कोई कार्य ठीक से पूरा हो जाए, इसके लिए किन बातों का ध्यान रखेंगे। लिखें:–

प्र०13 आप घर पर जो काम स्वयं करते हैं, उनमें से कोई पांच कार्य लिखें।

प्र०14 हम अक्सर कार्य को टालते रहते हैं। क्या आपने सोचा ऐसा क्यों होता है, कार्य को टालने या समय से न करने पर क्या–क्या हानियाँ हो सकती हैं? आओ सोचें व लिखें:–

कार्य टालने के कारण

कार्य टालने से होने वाली हानियाँ

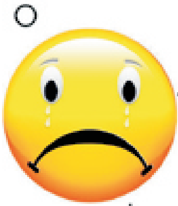

प्र०15 आप अपने आस–पास के बच्चों को बहुत सारे कार्य करते देखते हैं। कुछ को तो आपने बड़ों की तरह काम पर जाते हुए देखा होगाः–

अ) ऐसा कौन–कौन सा काम बच्चों को करते देखा है, लिखेंः–

____________________ ____________________

____________________ ____________________

____________________ ____________________

ब) किन कारणों, परिस्थितियों से बच्चों को यह कार्य करने पड़ते होंगे, लिखेंः–

____

____

____

____

स) आपके अनुसार, बच्चे जो काम पर जाते हैं, यह उचित है या अनुचित? आपके अनुसार 'बाल मजदूरी' उचित है या अनुचित? अपने विचार लिखेंः–

____

____

____

____

____

प्र०16 नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ें और रेखांकित शब्दों को सही शीर्षक के नीचे लिखें–

(क) उन्हें किसी सराय में जगह न मिली।

(ख) वे ईसा के उपदेशों को याद करते हैं।

(ग) एक गरीब यहूदी बढ़ई अपनी पत्नी मैरी के साथ बैथलेहम आया।

(घ) वे एक अस्तबल में ठहर गए।

(ङ.) बाज़ारों में खूब रौनक होती है।

संज्ञा	क्रिया	विशेषण	सर्वनाम
______	______	______	______
______	______	______	______
______	______	______	______
______	______	______	______
______	______	______	______

प्र०17 चित्र को देखकर कहानी बनाइए। चित्र में दिखने वाले लोगों का आपस में क्या रिश्ता हो सकता है, कहानी में यह भी स्पष्ट हो।

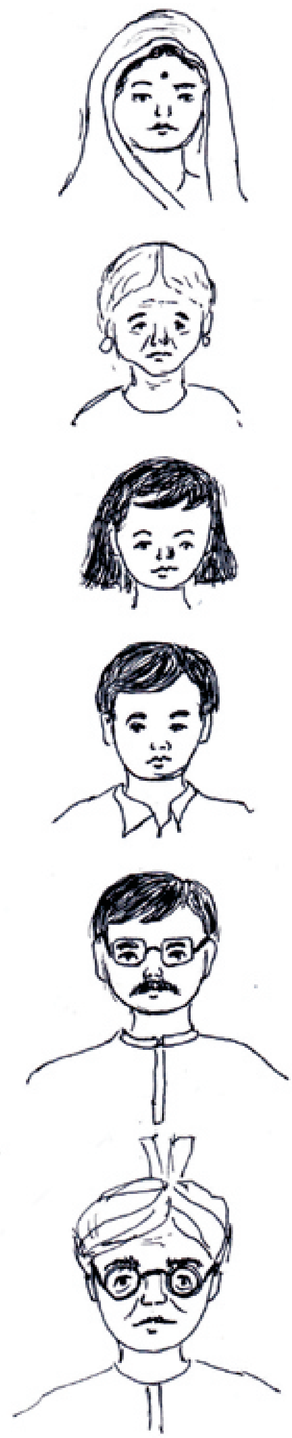

प्र०18 पाठ कामचोर में प्रयुक्त विदेशज शब्दों को छाँटकर शब्दमाला में लिखें।

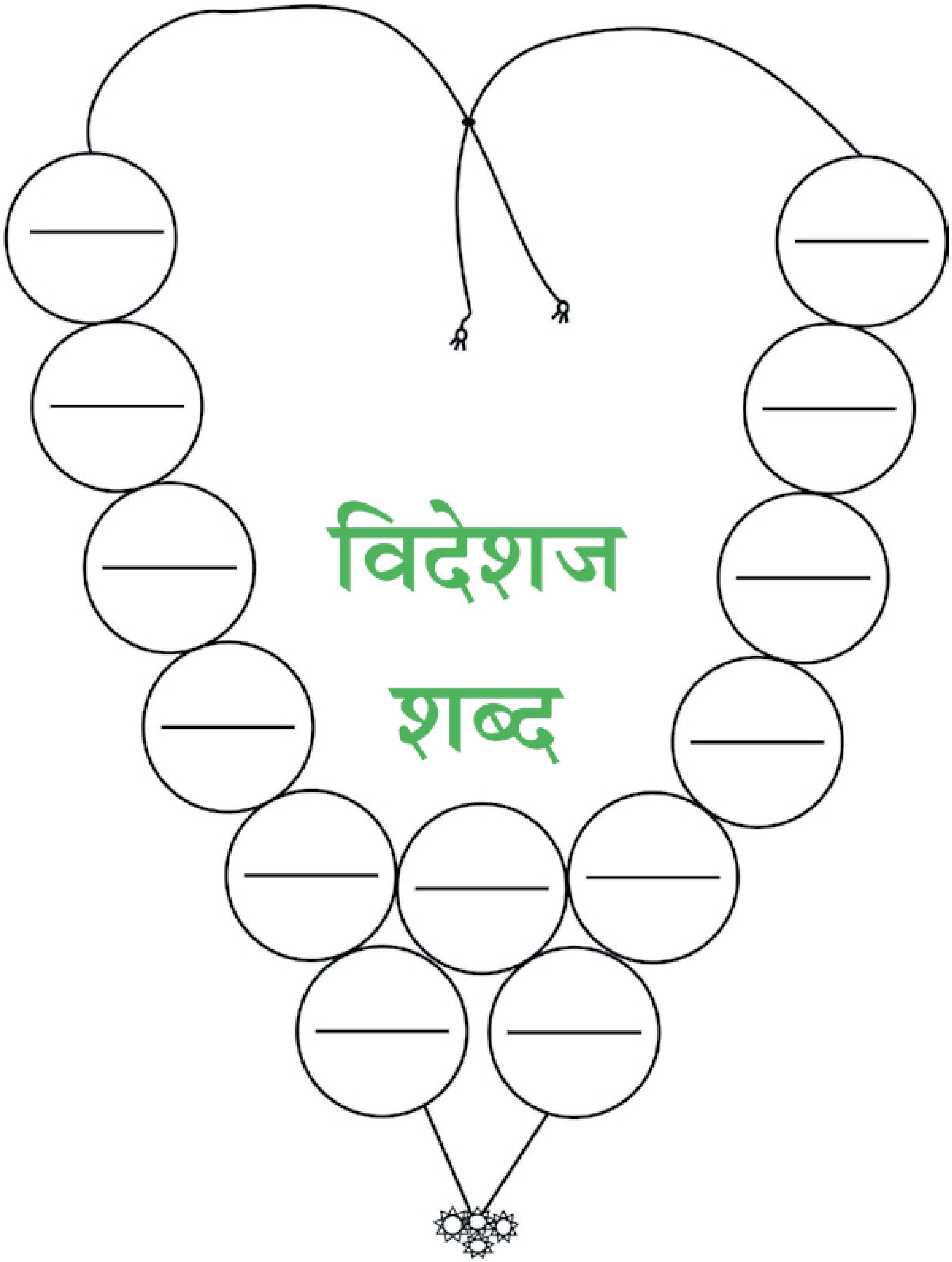

प्र०19 जो शब्दांश, शब्द के अंत में लगकर शब्द का अर्थ बदल देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं, जैसे—

सब्जीवाला — सब्जी + वाला

प्रत्यय अलग करके लिखे—

तरकारीवाली — ________ + ________

बचाव — ________ + ________

भूखी — ________ + ________

मैली — ________ + ________

दबैल — ________ + ________

प्र०20 पाठ में निम्न मुहावरों के अर्थ जानकर वाक्य में प्रयोग करें—

कायल होना —

____

____

तीर निशाने पर लगना —

____

____

बेनकेल का ऊँट—

____

____

तूफान खड़ा करना—

____

____

मातम सा मनाना—

____

____

अधिकगम संप्राप्तिः

1. विभिन्न स्थितियों व लेखन के स्वरूप के अनुसार अपने अनुभव को 8–10 वाक्यों में लिखते हैं।
2. व्याकरणः संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं लिंग को पहचान कर छाँटते हैं।
3. सामाजिक एवं संवेदनशील मुद्दों को समझकर उन पर विचार विमर्श करते हैं।
4. पाठ्यवस्तु को पढ़ कर उसकी बारीकी से जाँच करते हुए बिंदु को खोजने अनुमान लगाते व निष्कर्ष निकालते हैं।

''जब सिनेमा ने बोलना सीखा''

पाठ 8

—प्रदीप तिवारी

बच्चो! फिल्में हम सभी देखते हैं। आजकल के दौर में तो अपनी पसंद और अपनी सहूलियत के अनुसार हम घर बैठे फिल्में देख सकते हैं। किंतु आज से सत्तर साल पहले हमें सिनेमा का एक दूसरा ही रूप देखने को मिलता था। न तो उस जमाने में फिल्में रंग–बिरंगी थीं, न ही उनमें आवाज थी। लोग फिल्म देखने के लिए सिनेमा हॉल तक जाते थे। तब से अब तक सिनेमा का पूरा रंग–रूप ही बदल गया है। अब हमारे पसंद की फिल्में हमारी उंगली और फोन के एक क्लिक पर मौजूद होती हैं और हम उन्हें अपनी पसंद के समय पर देख सकते हैं।

सिनेमा के बारे में लेखक प्रदीप तिवारी ने कितनी ही बातें हमें इस आलेख में बताईं हैं। चलचित्र कैसे और कब चलने, बोलने और सजीव होने लगे, यह सब जानने के लिए हमें इस पाठ को पढ़ना बेहद जरूरी है। तो चलिए पढ़ते हैं ये दिलचस्प कहानी– ''जब सिनेमा ने बोलना सीखा''

मिस्टर बीन.............................

या कुछ और?

कैसे यह चित्र चलने, बोलने, हँसने, खेलने लगे होंगे, यह आप इस पाठ से जान सकेंगे–

प्र०2 पाठ में आए कुछ नवीन शब्दों के अर्थ नीचे घड़े में दिए गए हैं। शब्दों के सही अर्थ ढूंढ़कर उनके सामने लिखिए–

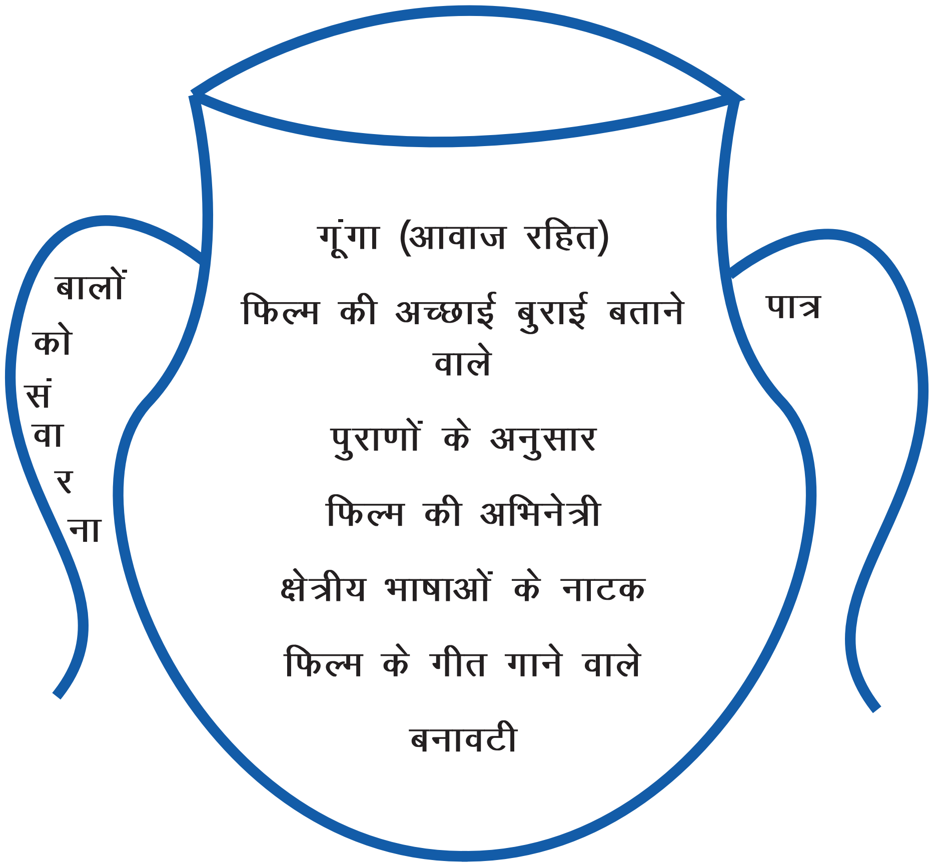

कृत्रिम	=	________________
पार्श्व गायक	=	________________
लोक नाट्य	=	________________
मूक	=	________________
नायिका	=	________________
फिल्मोद्योग	=	________________
समीक्षक	=	________________
पौराणिक	=	________________
किरदार	=	________________
केश सज्जा	=	________________

प्र०3 निम्न विषयों के ऊपर बनी दो–दो फिल्मों के नाम लिखो।

जासूसी

____

____

विज्ञान

____

____

खेल

____

____

देशभक्ति

____

____

धार्मिक

____

____

घरेलू

____

____

महिला सशक्तिकरण

____

____

डरावनी

____

____

प्र०4 हम प्रश्न पढ़कर उनके उत्तर लिखते हैं, किंतु क्या उत्तर देखकर भी आपने प्रश्न बनाए हैं? नहीं न! तो फिर लीजिए, आप भी इन उत्तरों के लिए प्रश्न बनाइए–

प्रश्न 1

उत्तर भारत की पहली बोलती फिल्म 14 मार्च, 1931 को प्रदर्शित की गई थी।

प्रश्न 2

उत्तर पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' थी, जिसे बनाने वाले फिल्मकार अर्देशर ईरानी थे।

प्रश्न 3

उत्तर एम. अर्देशर ईरानी ने पारसी रंगमंच के एक लोकप्रिय नाटक को आधार बनाकर 'आलम आरा' की पटकथा बनाई थी।

प्रश्न 4

उत्तर 'आलम आरा' फिल्म ने भविष्य के लिए कई स्टार तकनीशियन तो दिए ही, अर्देशर की कम्पनी ने भारतीय सिनेमा को 150 से अधिक मूक और 100 सवाक फिल्में दीं।

प्रश्न 5

उत्तर 'आलम आरा' भारत के अलावा श्रीलंका, वर्मा और पश्चिम एशिया में भी पसंद की गई।

प्र०5 सोचिए और लिखिए कि फिल्म में अभिनेता व अभिनेत्री के अलावा और कौन–कौन से लोग काम करते हैं?

प्र०6 फिल्मों को लोकप्रिय बनाने में गीत संगीत की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। आप भी अपने विद्यालय की वार्षिक पत्रिका के लिए कोई कविता या गीत लिखिए और उसे अपने नाम के साथ प्रकाशित करवाइए।

प्र०7 फिल्म को सरस बनाने के लिए गीत की कौन–कौन सी विधाएं प्रयोग में लाई जाती हैं? अपने शिक्षक की मदद से पता करें। गीत, कव्वाली, भजन, गजल की दो–दो पंक्तियाँ लिखें।

गीत ____________________

____

कव्वाली ____________________

____

गजल ____________________

____

भजन ____________________

____

प्र०8 नीचे कुछ जानी मानी फिल्मी हस्तियों के नाम दिए गए हैं। आप भी कुछ और नाम इसमें जोड़ें व इनके चित्र अखबार, मैगजीन इत्यादि से निकालकर यहाँ चिपकाएँ व उसे कोलाज का आकार दें।

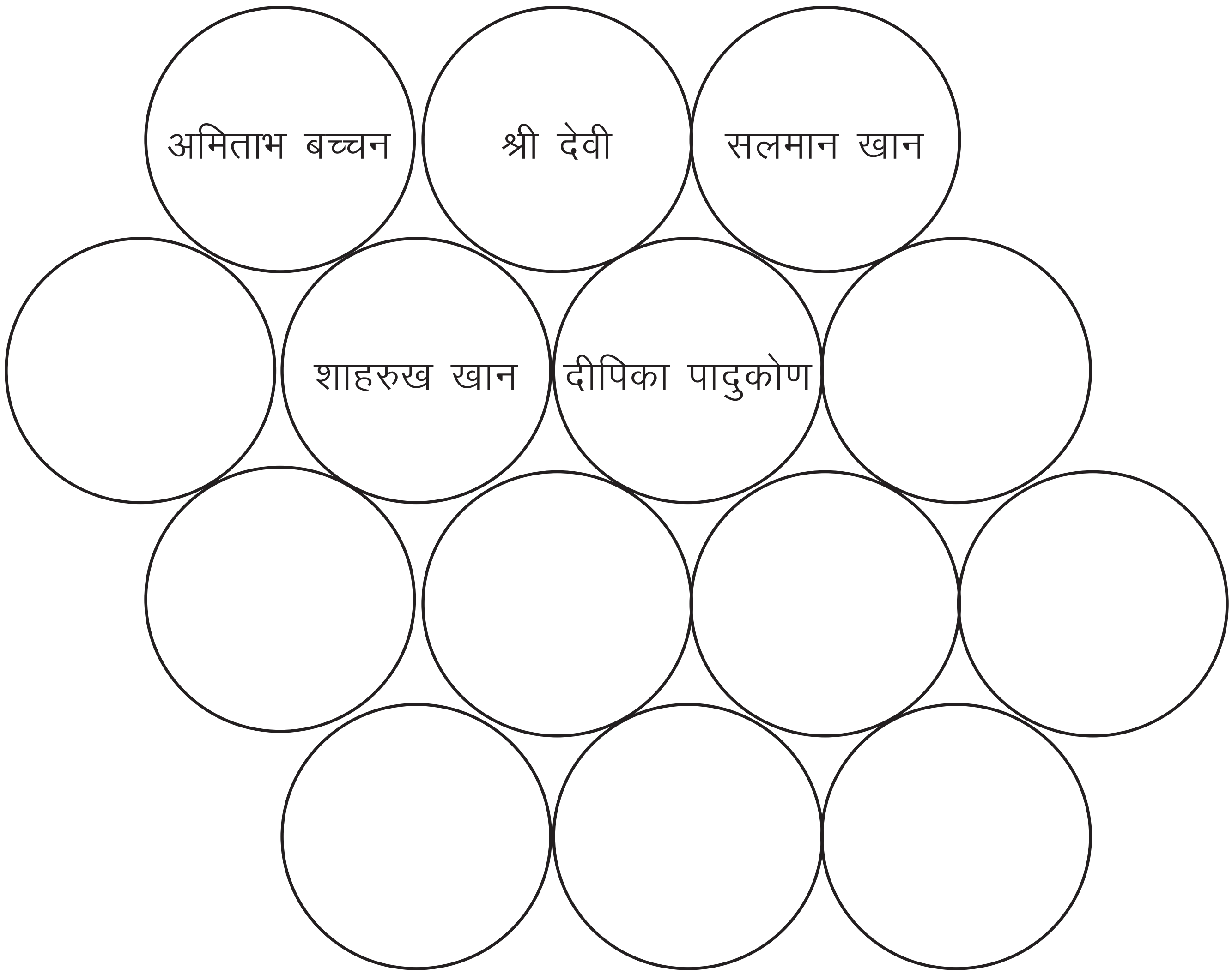

परियोजना कार्य

नोट– अध्यापक इस पृष्ठ पर बच्चों से विभिन्न अभिनेता/अभिनेत्रियों के चित्र मंगाकर उन्हें समूह में करने के लिए दें।

कोलाज बनाने में चित्रों को हाथ से (बिना कैंची के) निकालकर चिपकाने हैं। कोलाज वृत्ताकार या चौकोर कैसा भी बना सकते हैं।

प्र०9 किसी भी फिल्मी गीत के बोल बदलकर उसकी धुन पर नया गीत बनाकर लिखें तथा गाकर सुनाए।

प्र०10 चित्र देखकर कहानी लिखें।

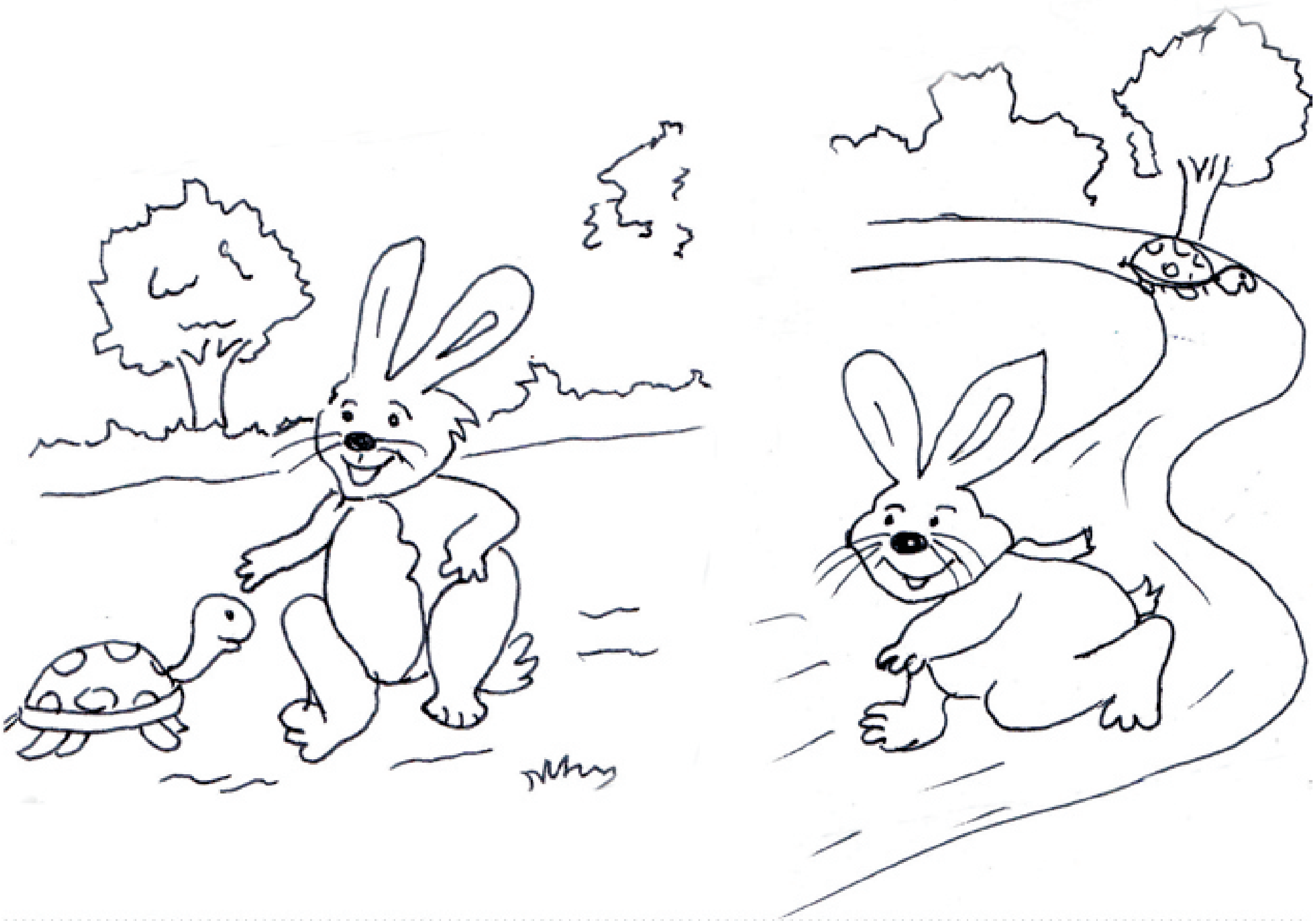

....

....

....

....

....

....

....

प्र०11

सबसे बड़ी सेवा

इटली फ्रांस के साथ युद्ध में जूझ रहा था। उस समय एक युवक पहाड़ी की चोटी पर बैठा दूरबीन से सारे युद्ध का दृश्य देख रहा था। उसने देखा कि घायल कराहते हुए सैनिकों को कूड़ें–करकट की तरह ढो कर मोर्चे के पीछे के सहायता–शिविरों में छोडा जा रहा था। सैनिकों की ऐसी दयनीय दशा पर वह युवक अत्यंत द्रवित हो गया। दरअसल वह युवक फ्रांसीसी सम्राट से मिलने पेरिस गया था। किंतु जब उसे पता चला कि सम्राट मोर्चे पर गए हैं तो वह उनसे मिलने उसी ओर चल पड़ा। वहां का दृश्य देख वह सम्राट से मिलने की बात भूल बैठा। अब बस उसके मन में यही बात थी कि कैसे घायल व मरणासन्न सैनिकों की सहायता की जाए। तभी उसे सूचना मिली कि घायल सैनिक गिरजाघर में है। वह तुरंत उनकी सहायता के लिए वहां जा पहुंचा। वहां भरसक उनकी मदद की। इसी बीच युद्ध समाप्त हो गया। पर युवक के मन में यह बात घर कर चुकी थी कि किसी भी तरह युद्ध में घायल होने वाले सैनिकों की सेवा के लिए एक ऐसा दल होना चाहिए जो तुरंत मौके पर पहुंच कर उन्हें प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराए और जीवनदान दे। उसने सेवा करने वालों का एक दल तैयार किया। अपने अथक प्रयासों से उसने इस दल को एक अंतराष्ट्रीय संस्था के रूप में मान्यता भी दिलवा दी। अब कहीं युद्ध छिड़ता है तो उस संस्था के सदस्य तुरंत घायल सैनिक की सेवा में जुट जाते हैं। ये सदस्य तटस्थ माने जाते है और एक विशेष प्रकार की पोशाक पहनते हैं जिस पर एक चिह्न बना रहता है। इसका नाम रेडक्रॉस है। रेडक्रास के संस्थापक यही युवक थे। इस युवक का नाम था जीन हेनरी ड्यूनेंट। जीन जेनेवा के एक मध्यवर्गीय परिवार में जन्में थे। प्रत्येक वर्ष जीन हेनरी के जन्मदिवस पर आठ–मई को रेडक्रॉस दिवस मनाया जाता है।

संकलनः रेनू सैनी

एकदा
और पढ़ने के लिए देखें
www.ekda.nbt.in

ऊपर दी गई समाचार पत्र की कतरन को ध्यान से पढ़िए और अपने साथियों के साथ इस पर चर्चा कीजिए तथा दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए–

1 जीन हेनरी ड्यूनेट कौन था?

----

2 रेडक्रॉस की स्थापना किसने और कब की?

प्र०12 गुनगुन चिड़िया आज बहुत खुश थी। उसकी शादी होने जा रही थी। किटकिट गिलहरी, चिकचिक चिड़िया और मिंटी चुहिया सभी सजधज कर आए। नदी पर रहने वाला कमरू कछुआ भी आया। वह अपने साथ डमरू भी लाया। गुनगुन ने गुलाबी फ्रॉक पहनी। सभी जोश में भरकर नाच रहे थे। मिंटी चुहिया गीत गा रही थी। कमरू कछुआ डमरू बजा रहा था। चिकचिक चिड़िया चीं चीं की आवाज निकाल रही थी। गुनगुन गुलाब की माला लाई। सभी खुश होकर ताली बजाने लगे।

नोट– अध्यापक बच्चों को अपनी कल्पना से कैसा भी चित्र बनाने की स्वतंत्रता दें। ऊपर दी गई जानकारी के अनुसार–

प्र०13 मंजूषा में दिए गए शब्दों से प्रत्यय व उपसर्ग अलग करके लिखिए।

सवाक,	पटकथा
पार्श्वगायक	सजीव
लोकप्रियता	आरंभिक
नायिका	प्रशासक
पौराणिक	महात्मा

उपसर्ग वाले शब्द	प्रत्यय वाले शब्द

प्र०14 वर्तनी के अनुसार सही शब्द पर गोला लगाइए।

शादी सादी

खुस खुश

डमरु डमरू

फ्राक फ्रॉक

इजहार इज़हार

कछुवा कछुआ

अधिकगम संप्राप्तिः

1. विभिन्न स्थितियों में विद्या अनुसार अपने अनुभव को मौलिक रुप से लिखते हैं।
2. सामाजिक एवं संवेदनशील मुद्दों को समझकर उन पर विचार विमर्श करते हैं।
3. प्रश्नोत्तर की स्वंय की भाषा शैली में रचना करते हैं।
4. पाठ्यवस्तु को पढ़कर, समझते हुए अपने विचार व्यक्त करते हैं
5. चित्र देखकर, अपनी कल्पना से कहानी व कविता की रचना करते हैं।

पाठ 9

जहाँ पहिया है

दोस्तो! साइकिल तो आप सभी ने चलाई होगी, अगर नहीं भी चलाई तो उसको चलाने की इच्छा तो कभी न कभी तो हुई होगी।

क्या आपने सोचा कि साइकिल चलाने का शौक कभी एक बड़े क्रांतिकारी आंदोलन का रूप ले सकता है। तमिलनाडु के एक पिछड़े जिले पुडुकोट्टाई में यह कैसे संभव हुआ? यह तो पाठ पढ़कर ही पता चलेगा।

यहाँ तो हम बस इतना ही कहना चाहेंगे कि साइकिल चलाने के आन्दोलन से वहाँ की महिलाओं के जीवन में एक क्रान्तिकारी परिवर्तन हुआ। उनका जीवन इतना आसान और सुगम हो गया कि उन्होंने साइकिल को किराये पर भी लेकर चलाना सीखा और अपना जीवन सुधारा और तो और पुडुकोट्टाई में साइकिल प्रशिक्षण शिविर भी आरंभ हुआ। यह सारा परिवर्तन 1992 में अंतर्राष्ट्रीय महिलाओं के जीवन में तूफान ला दिया।

पाठ 'जहाँ पहिया है' पी. साईनाथ की मूल रचना का हिंदी अनुवाद है, जो कि रिपोर्ताज शैली में लिखा गया है। अब तक आपने कहानी, कविता, निबंध, जीवनी, रेखाचित्र व एकांकी जैसी शैलियों में लिखी रचनाएँ पढ़ी हैं। यह पाठ आपको रिपोर्ताज शैली से परिचित होने का अवसर दे रहा है। रिपोर्ताज किसी भी घटना या विशेष आयोजन आदि के लिए लिखी गई रिपोर्ट का ही दस्तावेजी स्वरूप है।

प्र०1 आपने साइकिल चलाना किससे और कैसे सीखा? लिखें

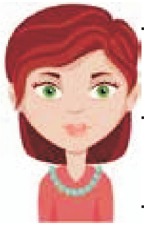

प्र०2 महिलाओं के जीवन में साइकिल चलाने से जो आत्म–विश्वास जगा, उससे जीवन में क्या–क्या बदलाव हुए?

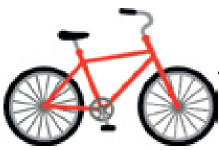

प्र०3 क्या पुडुकोट्टाई की महिलाओं का निर्णय सही था, तर्क सहित उत्तर दो।

प्र०4 पुडुकोट्टाई में पहिए के प्रयोग से क्रान्तिकारी परिवर्तन हुआ। आपके किसी अनुभव में कोई भी सामाजिक आंदोलन हुआ? उसके विषय में लिखें।

प्र०5 किसी ऐसी घटना के बारे में बताइए, जब आपने अपनी कठिनाई से मुक्त होने के लिए कोई विशेष उपाय किया हो।

प्र०6 निम्न अनुच्छेद को पढ़ें व पाँच प्रश्न बनाएं–

भारत के सर्वाधिक पिछड़े जिलों में से एक है पुडुकोट्टाई। पिछले दिनों यहाँ ग्रामीण महिलाओं ने अपनी स्वाधीनता, आजादी और गतिशीलता को अभिव्यक्त करने के लिए प्रतीक के रूप में साइकिल को चुना है। उनमें से अधिकांश नवसाक्षर थीं। अगर हम दस वर्ष से कम उम्र की लड़कियों को न गिनें तो इसका अर्थ होगा कि यहाँ ग्रामीण महिलाओं के एक चौथाई हिस्से ने साइकिल चलाना सीख लिया है और इन महिलाओं में से सत्तर हजार से भी अधिक महिलाओं ने 'प्रदर्शन एवं प्रतियोगिता' जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों में बड़े गर्व के साथ अपने अर्जित कौशल का प्रदर्शन किया और अभी भी उनमें साइकिल चलाने की इच्छा बरकरार है।

प्रश्न 1 --

प्रश्न 2 --

प्रश्न 3 --

प्रश्न 4 --

प्रश्न 5 --

प्र०7 आप परिवार मेला घूमने गए। आपने वहाँ किस प्रकार मौज–मस्ती की? लिखकर बताएं।

प्र०8 पुडुकोट्टई शब्द सुनकर आपके मन में कौन–कौन से शब्द उभरते हैं? नीचे दिए गए स्थान में लिखिए–

प्र०9 भारत में आज हर क्षेत्र में महिलाएं सफल हो रही हैं। कुछ सफल व प्रसिद्ध महिलाओं के नाम लिखें।

कल्पना चावला

प्र०10 पढ़िए, समझिए और याद रखिए:—

- जो शब्द किसी दूसरे शब्दांश अथवा वर्णों, अक्षरों आदि के योग से नहीं बनते और किसी विशिष्ट अर्थ के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें रूढ़ शब्द कहते हैं।
- जो शब्द किसी अन्य शब्दांश अथवा अक्षरों, वर्णों के योग से बनते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं।
- जो शब्द किसी दूसरे शब्दांश अथवा वर्णों, अक्षरों आदि के योग से बनते हैं और किसी विशिष्ट अर्थ के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें योगरूढ़ शब्द कहते हैं।

प्र०11 नीचे दिए गए शब्दों को रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्दों की श्रेणियों में बाँटकर लिखिए—

जल, सुपुत्र, पाठक, चिड़ियाघर, रात, गिरिधर,
नीलकंठ, सफल, कक्षा, गाय, जलज, मित्रता, प्रवेश

रूढ	यौगिक	योगरूढ
______	______	______
______	______	______
______	______	______
______	______	______
______	______	______

प्र०12 नीचे दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द छाँटकर लिखिए—

जो चित्र बनाए	ईदगाह
ईद की नमाज पढ़ने वाली जगह	दुर्बोध
जो कठिनाई से समझ में आए	पर्वतारोही
जो संगीत का ज्ञाता हो	कलाकृति
जो पर्वतों की चढ़ाई करे	चित्रकार
कलाकार द्वारा बनाई गई वस्तु	संगीतज्ञ

प्र०13 नीचे दिए शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता (़) लगाइए—

काफी	तेज	नजर
आवाज	सफेद	तेज
रफ्तार	वजन	बर्फ

प्र०14 विद्यालय वार्षिकोत्सव या अपने परिचित के विवाह उत्सव या विद्यालय खेल उत्सव पर रिपोर्ताज लिखें—

अधिगम संप्राप्ति

1. अपने आस पास होने वाली घटनाओं और अपने अनुभवों के विषय बातचीत करते और उन्हें लिखते हैं।
2. विभिन्न प्रकार की कविताओं और कहानियों में आए सामाजिक तथा संवेदनशील मुद्दों को समझते हैं।
3. पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए प्रश्न बनाते और पूछते हैं।
4. पढ़ी गई सामग्री से सम्बंधित प्रश्नों का उत्तर 3–4 वाक्यों में मौखिक रूप में देता है।
5. अपनी कल्पना और अपने अनुभवों से मौलिक रचना करते हैं जैसे– कविता, कहानी, संस्मरण, निबंध, लेख अथवा रिपोर्ताज आदि।
6. भाषा की बारीकियों को ध्यान में रखते हुए उनका बोलने व लिखने में इस्तेमाल करते हैं।

‘‘अकबरी लोटा’’

पाठ 10

–अन्नपूर्णानंद वर्मा

प्यारे बच्चो! लोटा शब्द सुनते ही मन में गांव की याद ताजा हो जाती है। रस्सी, बाल्टी और लोटा लेकर कुएं पर नहाने जाना, लोटे से पानी पीना और भी तरह–तरह के काम।

यूं तो लोटा भी एक बर्तन ही है, लेकिन इस कहानी में लेखक ने लोटे के बारे में बहुत ही मजेदार और हास्य के तड़के लगाकर भारतीयों की चतुराई, अंग्रेजों की मूर्खता को बहुत ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया है।

प्रस्तुत कहानी में अपने मित्र झाऊलाल को मुसीबत से निकालकर पं. बिलवासी मिश्र ने उनकी मदद भी की और अपनी बुद्धि का लोहा भी मनवाया। एक सामान्य से बेढंगे लोटे को उस जमाने में अंग्रेज अफसर को पाँच सौ रुपए में बेच देने की कहानी हँसा–हँसाकर लोट–पोट कर देती है।

आप भी इस कहानी को पढ़िए और आनंद लीजिए अकबरी लोटे का!

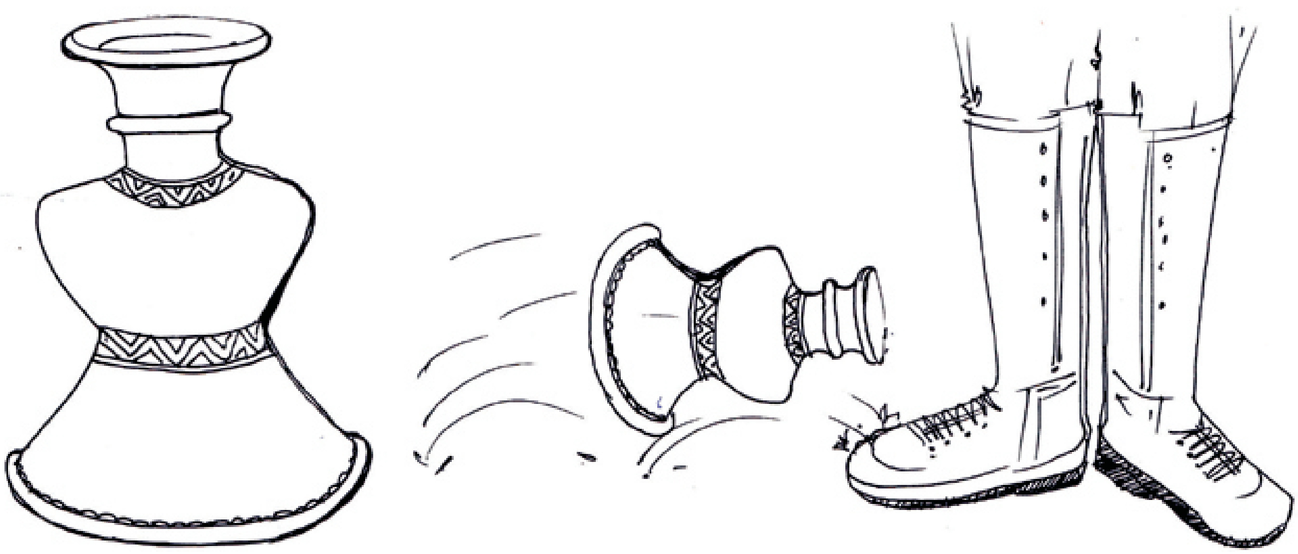

प्र०1 नवीन शब्द

अदब	=	शिष्टाचार, लिहाज
मुंडेर	=	छत के चारों ओर की दीवार
ईजाद	=	खोज
तन्मयता	=	मगन हो जाना
पारसाल	=	पिछले वर्ष
अंतर्धान	=	अदृश्य, गायब
सांगोपांग	=	पूरी तरह, ऊपर से नीचे तक
खुराफाती	=	शरारती
गठन	=	बनावट
डामल फाँसी	=	आजीवन कारावास का दंड
जतन	=	कोशिश
पुश्त	=	पीढ़ी
सायबान	=	मकान के आगे का छज्जा
बिल्लोर	=	एक प्रकार का चमकीला पत्थर

प्र०2 कहानी पढ़कर नीचे दिए वाक्यों में सही व गलत का चिह्न लगाएँ—

1. लाला झाऊलाल का लखनऊ के ठठेरी बाजार में मकान था। ( )
2. लोटा झाऊलाल को बहुत पसंद था। ( )
3. पं. बिलवासी मिश्र ने लाला झाऊलाल की मुसीबत में मदद की। ( )
4. मेजर डगलस हिंदुस्तान से औरंगजेबी अंडा खरीदकर ले गए थे। ( )
5. पं. बिलवासी मिश्र ने लोटा पाँच सौ रुपए में अँग्रेज अफसर को बेच दिया। ( )

प्र०3 किसने किससे कहा—

(क) 'डरिए मत आप देने में असमर्थ हों, तो मैं अपने भाई से मंगा लूं!'

(ख) 'आज से सातवें दिन मुझसे ढाई सौ रुपए ले लेना!'

(ग) 'पुलिस स्टेशन में इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर दीजिए, जिससे यह आदमी फौरन हिरासत में ले लिया जाए।'

(घ) 'अब मैं हँसता हुआ अपने देश को लौटूंगा। मेजर डगलस की डींग सुनते हुए मेरे कान पक गए थे!'

(ङ.) 'इस रिश्ते से तो आपका लोटा उस अंडे का बाप हुआ!'

प्र०4 सोचिए और लिखिएः—

क्या होता यदिः—

1) लोटा सीधे अंग्रेज के सिर पर गिरता—

____

____

____

____

2) अंग्रेज पुलिस को बुला लेता—

____

____

____

____

3) अंग्रेज लोटा ना खरीदता–

____

____

____

____

प्र०5 एक शब्द में उत्तर दीजिए–

(क) अकबरी लोटा कितने में बिका?

(ख) जहाँगीरी अंडा कौन खरीदकर ले गया?

(ग) बादशाह हुमायूँ किससे हारकर भागा था?

(घ) किस म्यूजियम में लोटे का प्लास्टिक का मॉडल रखा हुआ है?

प्र०6 खाली स्थान में सही शब्द भरिए–

(क) __________ जहाँगीर की बेगम थी।

(ख) __________ को बेढंगा लोटा पसंद नहीं था।

(ग) उस दिन रात्रि में __________ को देर तक नींद नहीं आई।

(घ) गिरने से पहले लोटा एक __________ के __________ से टकराया।

(ङ) __________ ने पृथ्वी की आकर्षण शक्ति की खोज की थी।

प्र०7 निम्न चित्र में से अर्थ ढूंढ़कर मुहावरों के साथ लिखें।

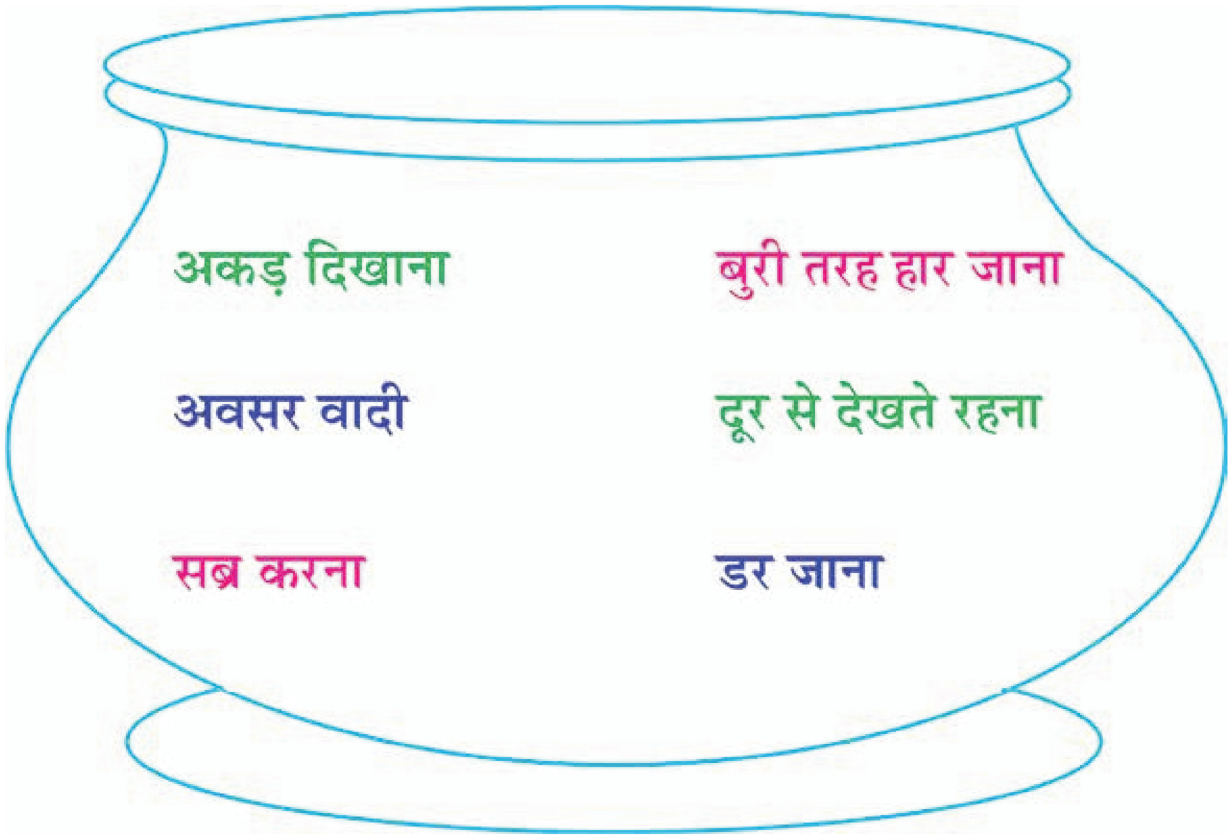

आँख सेंकना ______________________

चारों खाने चित्त होना ______________________

दुम दबा कर भागना ______________________

हेकड़ी दिखाना ______________________

गुस्सा पीना ______________________

बेपैंदी का लोटा ______________________

प्र०8 आपके घर में रखी किन्हीं चार पुरानी वस्तुओं के बारे में पता कीजिए और इन्हें अपनी मर्जी के विशेषण लगाकर नाम दीजिए

जैसे संदूक → शाही संदूक

____________________	____________________
____________________	____________________
____________________	____________________
____________________	____________________

प्र०9 प्रत्यय अलग कीजिए–

वैवाहिक, खटिया, दैनिक, रोजाना, सुंदरता

शब्द	विवाह	-----------	-----------	-----------	-----------
	+	+	+	+	+
प्रत्यय	ईक	-----------	-----------	-----------	-----------

प्र०10 निम्नलिखित का सही मिलान कीजिए।

1–दैनिक	क) सप्ताह में एक बार
2–साप्ताहिक	ख) दिन में एक बार
3–पाक्षिक	ग) वर्ष में एक बार
4– मासिक	घ) पन्द्रह दिन में एक बार
5– वार्षिक	ड.) महीने में एक बार

प्र०11 'अ' उपसर्ग लगाकर विपरीतार्थी शब्द बनाइए।

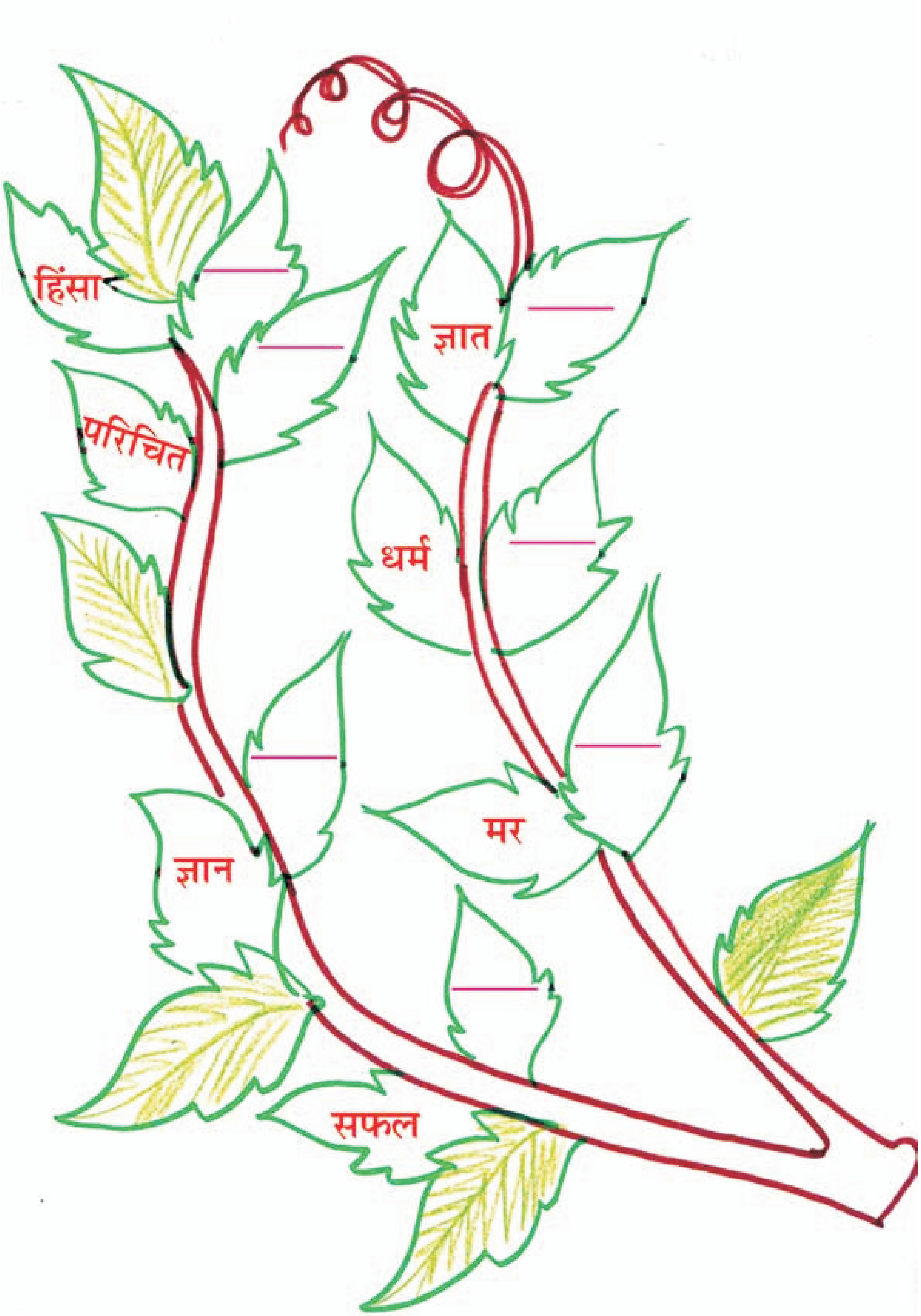

प्र०12 लोटे के इस चित्र को देखकर आपके मन में भी उसके अलग–अलग चित्र उभर रहे होंगे। तो फिर देर किस बात की?

एक सुंदर से लोटे का चित्र बनाइए और लोटे पर चार पंक्तियों में एक कविता लिखिए।

प्र०13 बुद्धि और चतुराई से काम लेने पर किसी भी समस्या या मुसीबत का हल निकाला जा सकता है। क्या आपका भी ऐसी किसी समस्या से सामना हुआ है? आपने उसके समाधान के लिए क्या उपाय सोचा था? घटना का रोचक शब्दों में वर्णन कीजिए।

प्र०14 कल्पना कीजिए इस पूरी कथा के बाद झाऊलाल अपने मित्र बिलवासी का धन्यवाद करना चाहते हैं। वह धन्यवाद हेतु बिलवासी को पत्र लिखते हैं तथा सच्चे मित्र के गुणो का बखान भी करते हैं। वह पत्र इस प्रकार होगा।

पता– ______________________________

____

दिनांक– ______________________________

संबोधन–प्रियमित्र ______________________________

नमस्कार

प्रिय मित्र बिलवासी, मैं यहां कुशलता से हूं। आशा करता हूं कि तुम भी कुशल होगे। कल तुमने मेरी बहुत ______________________________

____

सच्चा मित्र वही होता है जो ______________________________

____

____

____

मैं तुम्हारे जैसा ______________________________

तुम्हारा मित्र

____

अधिगम संप्राप्ति

1. पाठ्य सामग्री पढ़कर विषयवस्तु का अनुमान लगाते हैं, विशेष विंदु को खोजते हैं तथा निष्कर्ष निकालते हैं।
2. अपने अनुभवों को अपने शब्दों में लिखते हैं।
3. विभिन्न स्थितियों के अनुसार 8–10 वाक्यों में पत्र, सार, कहानी इत्यादि लिखते हैं।
4. व्याकरण– भाषागत बारीकियों को ध्यान में रखते हुए उनका बोलने और लिखने में इस्तेमाल करते हैं, जैसे मुहावरे, प्रत्यय, उपसर्ग आदि।

पानी की कहानी

पाठ 11

—रामचंद्र तिवारी

प्यारे बच्चो! जब से सृष्टि बनी है तब से लेकर आज तक प्रकृति में अनेक बदलाव देखने को मिले। परन्तु इन सब में एक पदार्थ है जो तब भी था जब सृष्टि बनी और अब भी है। इनमें कोई बदलाव नजर नहीं आया। आज हम सभी उस पदार्थ की चर्चा करेंगे। इस संबंध में प्रस्तुत पंक्तियों का उल्लेख किया जाना आवश्यक है।

'तन को निर्मल करता पानी,

मन की प्यास बुझाता पानी,

ऊँच–नीच का भाव छोड़कर,

सबको समरस करता पानी,

सींच रहा नदियों से धरती,

सबको जीवन देता पानी।'

ये पंक्तियां पानी की महत्ता को साबित करती हैं। तो क्यों न आज 'पानी की कहानी' को पढ़कर समझें और इसके उपयोग को जानें।

लेखक रामचंद्र तिवारी द्वारा लिखित 'पानी की कहानी' लेख 'हिन्दी में विज्ञान लेखन के सौ वर्ष' नामक इनकी पुस्तक से लिया गया है। इसमें कल्पना का सहारा लेकर वैज्ञानिक नजरिए से पानी के विषय में जरूरी जानकारी बड़े ही प्रभावपूर्ण और रोचक ढ़ंग से उपलब्ध कराई गई है। तो शुरू करते हैं पाठ 'पानी की कहानी'।

प्र०1 निम्न शब्दों को उनके अर्थों के साथ सही मिलान कीजिए–

शब्द	अर्थ
साँसत	अदृश्य
वर्णनातीत	पूर्वज
पुरखे	बड़ा कष्ट
आनन्द	जिनका वर्णन न किया जा सके
भरोसा	खुशी
उत्साह	विश्वास
ओझल	जोश

प्र०2

तरल (द्रव)

वाष्प (गैस)

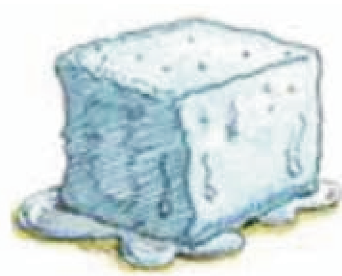
ठोस

उपरोक्त उदाहरण से आप पानी के ठोस, द्रव व गैस तीनों रूपों से परिचित हो चुके हैं। अब निम्न बाक्स में से ठोस, द्रव और तरल गैस पदार्थों को उनकी सही जगह पहुंचाओ–

आइसक्रीम,	आक्सीजन,	जूस,
दूध,	बर्फ,	जल

द्रव या तरल

ठोस

वाष्प या गैस

प्र०3 निम्न गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें–

सरिता के वे दिन मजेदार थे। हम कभी भूमि को काटते, कभी पेड़ों को खोखला कर उन्हें गिरा देते। बहते–बहते मैं एक दिन एक शहर के पास पहुँची। मैंने देखा कि नदी के तट पर एक ऊंची मीनार में से कुछ काली–काली हवा निकल रही है। मैं उत्सुक होकर उसे देखने को क्या बढ़ी कि अपने हाथों दुर्भाग्य को न्यौता दे दिया। ज्योंही मैं उसके पास पहुंची, अपने और साथियों के साथ एक मोटे नल में खींच ली गई।

(क) इन पंक्तियों में कौन अपनी कहानी सुना रहा है?

(ख) ऊंचे मीनार से क्या निकल रहा था तथा उसका रंग कैसा था?

(ग) दुर्भाग्य का विलोम लिखिए।

प्र०4 निम्न अनुच्छेद को पढ़ें और प्रश्न का निर्माण करें।

पृथ्वी के ऊपर वायुमंडल के स्ट्रेटोस्फिया में ओजोन गैस की एक मोटी परत है। यह धरती के जीवन की रक्षा कवच है, जिससे सूर्य से आने वाली हानिकारक किरणें रोक ली जाती हैं। किंतु पृथ्वी के ऊपर जहरीली गैसों के बादल बढ़ते जाने के कारण सूर्य की अनावश्यक किरणें वाह्य अतंरिक्ष में परावर्तित नहीं हो पातीं, जिसके कारण पृथ्वी का तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) बढ़ता जा रहा है। इसमें छोटे–छोटे सभी द्वीप समूहों और महाद्वीपों के तटीय क्षेत्रों के डूब जाने का खतरा बढ़ गया है। इसे ग्रीन हॉउस प्रभाव कहते हैं। यही स्थिति रही तो मुंबई जैसे महानगर प्रलय की गोद में समा सकते हैं। पृथ्वी पर बढ़ते तापमान के कारण विश्व सभ्यता को अमृत एवं पोषक जल प्रदान करने वाले ग्लेशियर या तो लुप्त हो गए हैं या लुप्त होने की ओर बढ़ते जा रहे हैं।

प्रश्न 1 --?

प्रश्न 2 --?

प्रश्न 3 --?

प्रश्न 4 --?

प्रश्न 5 --?

प्र०5 पानी की कहानी पाठ के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ____________________ पर से मोती सी एक बूँद मेरे हाथ पर आ पड़ी।

2. क्रोध और घृणा से उसका शरीर ____________________ उठा।

3. सूर्यमण्डल अपने निश्चित मार्ग पर ____________________ काट रहा था।

4. हाँ, अब मैं तुम्हारे पास ____________________ ठहर सकती।

5. वह ओंस की बूँद धीरे–धीरे ____________________ और उसकी आँखों से ____________________ हो गई।

प्र०6 आपने प्राथमिक कक्षाओं में जलचक्र के बारे में पढ़ा होगा। उसका चित्र बनाएँ व एक सुन्दर स्लोगन लिखें।

प्र०7 आपने समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं और टेलीविज़न पर ऐसी अनेक घटनाएँ देखी–सुनी होंगी जिनमें लोगों ने जल संरक्षण के लिए नवाचारी प्रयास किए हो। ऐसे समाचार या लेख ढूँढें और दी गई जगह में चिपकाएँ। अथवा स्वयं जल संरक्षण की दो विधियों का वर्णन करें।

प्र०8 दिए गए शब्द संकेतों की सहायता से 'बूंद' पर एक छोटी सी कविता का निर्माण कीजिए।

मैंने	देखा	बूंद
सागर	झाग	उछली
सूरज	अदृश्य	रंग

कविता

____

____

____

____

____

प्र०9 हिन्दी साहित्य में पानी से सम्बंधित मुहावरों का खूब प्रयोग हुआ है। पानी से सम्बंधित एक मुहावरा उदाहरण स्वरूप प्रस्तुत है। ऐसे ही तीन मुहावरे पानी से सम्बंधित लिखें व वाक्य बनाएँ–

उदाहरण– पानी सा उतारना

वाक्य– गीता ने ऊषा को अपशब्द कहकर उसका पानी सा उतार दिया।

1. मुहावरा

वाक्य–

2. मुहावरा

वाक्य–

3. मुहावरा

वाक्य–

प्र०10 वे शब्द या शब्दांश जो शब्द के शुरू में लगकर नए शब्द का निर्माण करते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

उदाहरण –– आजन्म – आ + जन्म

उपरोक्त उदाहरण के अनुसार निम्न शब्दों में उपसर्ग व मूलशब्द अलग कीजिए–

शब्द	उपसर्ग	मूलशब्द
प्रहार		
दुर्भाग्य		
प्रतिक्षण		
विचित्र		
अविश्वास		

प्र०11 वे लघुतम सार्थक खण्ड शब्द के अंत में लगकर नए शब्द का निर्माण करते हैं। प्रत्यय कहलाते हैं।

उदाहरण – पहाड़ी – पहाड़ + ई

उपरोक्त उदाहरण के अनुसार निम्न शब्दों में मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए–

शब्द	मूलशब्द	प्रत्यय
प्रसन्नता		
निकलता		
पकड़ी		
उत्सुकता		
रासायनिक		
वंशज		

प्र०12 किसी वाक्य में प्रयुक्त (प्रयोग किए जाने वाले) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का उस वाक्य की क्रिया के साथ जो सम्बंध होता है, उसे कारक कहते है।

संज्ञा या सर्वनाम पदों का क्रियाओं से सम्बंध बताने के लिए ने, को, से, में, पर, के लिए आदि चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नों को (परसर्ग) कारक चिह्न कहते हैं। (कभी–कभी कुछ वाक्यों में कारक चिह्नों का प्रयोग नहीं होता। जैसे–राम चला गया।)

उदाहरण– राहुल ने केला खाया। (यहां कर्ता कारक है तथा 'ने' कारक चिह्न है।)

दिए गए कारकों के सामने एक–एक उदाहरण दिया गया है। इसी प्रकार का एक अन्य उदाहरण प्रत्येक कारक व उदाहरण के सामने अपने पास से लिखें।

	कारक	उदाहरण	अन्य उदाहरण
1.	कर्ता ने	राम ने फल खाया।	____________ ____________
2.	कर्म को	मैं राम को पत्र लिखूँगा।	____________ ____________
3.	करण से के द्वारा	1. तनु पेन से लिखती है। 2. पत्र के द्वारा सूचना भेज दो।	____________ ____________
4.	सम्प्रदान के लिए	जाने के लिए खाओ।	____________ ____________
5.	अपादान से पृथकता	वृक्ष से पत्ते गिरते है।	____________ ____________

6\. सम्बंध
का क की

1. मधु सीता की बहन है।
2. वे बच्चे मीरा के हैं।
3. राम श्याम का भाई है।

____
____
____
____

7\. अधिकरण
में, पर

1. पुस्तक मेज पर है।
2. थैले में फल हैं।

____
____
____

8\. सम्बोधन
हे अरे

1. हे राम! रक्षा करो।
2. अरे जय! आ जाओ।

____
____
____

प्र०13 दिए गए संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण व क्रिया विशेषण के उदाहरणों के सामने दो–दो अन्य उदाहरण लिखो।

	उदाहरण		अन्य उदाहरण
1.	संज्ञा	बूँद	______ ______
2.	सर्वनाम	यह	______ ______
3.	विशेषण	सुरीली	______ ______
4.	क्रिया विशेषण	धीरे–धीरे	______ ______

प्र०13 जैसे बूँद ने लेखक को अपने जीवन की कहानी सुनाई। इसी प्रकार क्या आपको किसी ने अपने जीवन की पूरी कहा सुनाई है– क्या कहा नहीं! ओह, तो क्या हुआ? आप आज ही अपनी अपने किसी प्रिय जन की 'जीवन कहानी' सुनें और यहां लिखें। क्या आप जानते हैं कि किसी अन्य व्यक्ति के जीवन की पूर्ण यात्रा का वर्णन ही उसकी 'जीवनी' कहलाता है।

मेरी / मेरे______________की कहानी

____

अधिगम संप्राप्तिः

1. पाठ्यवस्तु को पढ़कर, बारीकी से जांच करते हुए विशेष बिंदु को खोजते, अनुमान लगाते व निष्कर्ष निकालते हैं।
2. भाषा की बारिकियों का ध्यान रखते हुए उनका बोलने और लिखने में इस्तेमाल करते है जैसे मुहावरे, उपसर्ग, प्रत्यय, कारक आदि।
3. विभिन्न प्रकार की कहानी, कविताओं, समाचारों आदि मे आए प्राकृतिक, सामाजिक और अन्य संवेदनशील मुद्दों को समझते है तथा अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं
4. अपनी कल्पना से मौलिक रचना करते हैं।

टोपी

पाठ 12

—सृंजय

'माँ कह एक कहानी

बेटा समझ लिया क्या

तूने मुझको अपनी नानी

कह, माँ कह, लेटी ही लेटी

राजा था या रानी

माँ कह एक कहानी'

प्रस्तुत पंक्तियों में एक बच्चा अपनी माँ से कहानी कहने का आग्रह कर रहा है। आप भी अपनी माँ, दादी, नानी आदि से इसी प्रकार कहानी सुनाने का आग्रह करते होंगे। यह कहानी भी लेखक सृंजय द्वारा रचित एक श्रेष्ठ कहानी है, जिसमें उन्होंने उच्च वर्ग पर कटाक्ष करते हुए, गरीबों का शोषण करने वाले लोगों को आईना दिखाया है। कहानी में कई ऐसे प्रसंग हैं, जो कहानी को रोचकता प्रदान करते हैं व रस से भर देते हैं। पाठ में गवरइया के माध्यम से राजा और उसकी राजनीति पर करारा व्यंग्य किया गया है। इसके साथ–साथ कहानी बेरोजगारी की समस्या को भी उठाती है। जैसे– नाम मात्र की मजदूरी देकर राजा द्वारा बेगार कराया जाता है। मादा गवरइया द्वारा उचित मजदूरी देकर कहानी में बेगारी की समस्या का समाधान भी प्रस्तुत किया गया है।

देशज ओर अनेक प्रकार के लोक प्रचलित शब्दों के प्रयोग से कहानी की मिठास बढ़ जाती है। वस्तुतः कहानी अपने अंदर सामाजिक जीवन की अनेक चीजों को समेटे हुए यह संदेश देती है कि उत्साही व दृढ़–निश्चयी व्यक्ति अपने कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करते हैं। तो आइए, आप भी इस कहानी को पढ़कर इसका आनंद लीजिए।

नवीन शब्द–

प्र०1 पत्ती में दिए गए शब्द के सामने वाली पत्ती में दिए गए बॉक्स में से छाँटकर सही अर्थ लिखो–

प्रातःकाल,	शक्ति,	उपाय,	देश,	मजदूरी,	व्यस्त

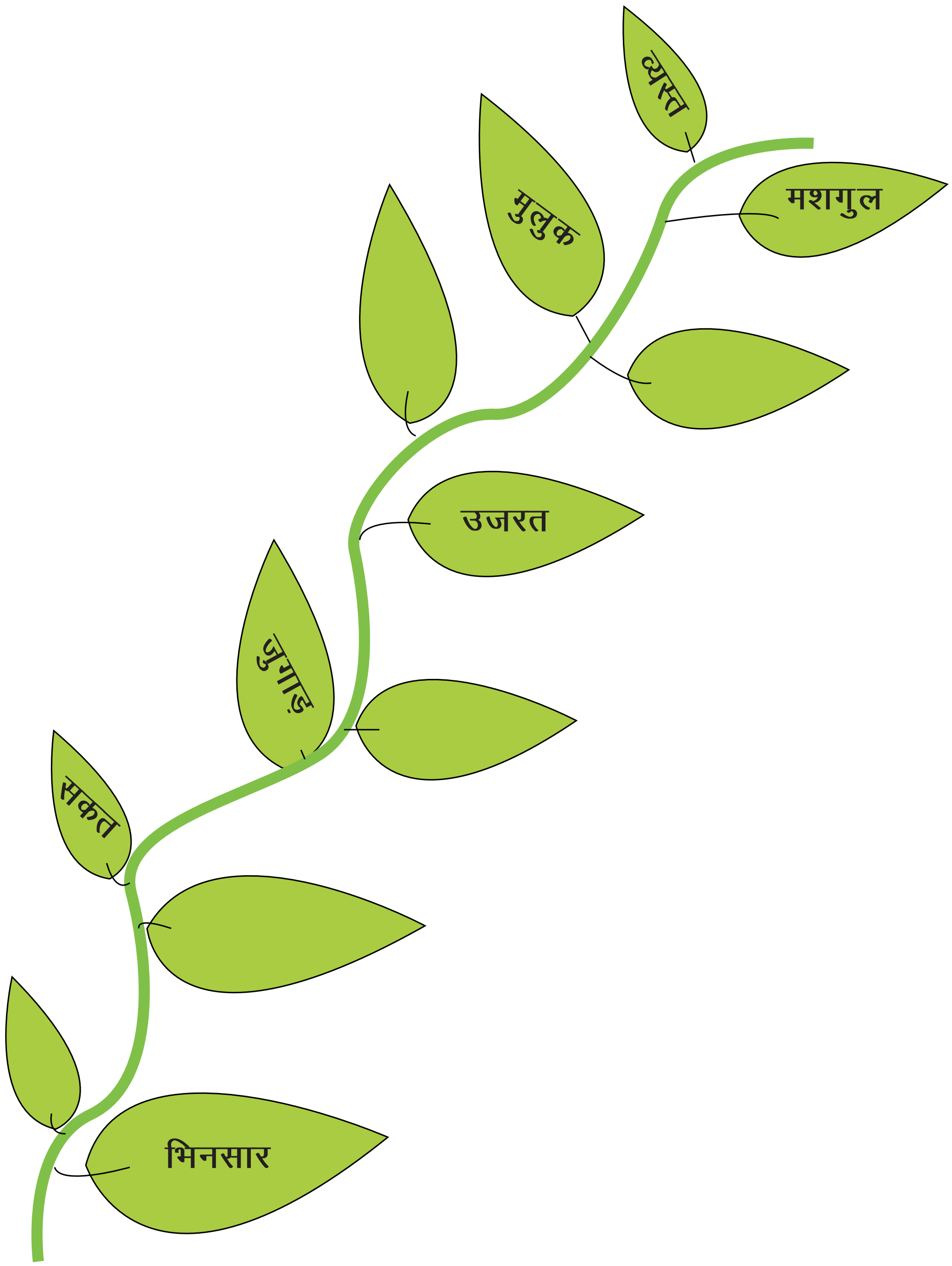

प्र०2 आपके अनुसार गवरइया अपने कार्य में किस कारण सफल रही?

प्र०3 टोपी बनवाने के लिए गवरइया चार जनों के पास गई। चारों ने क्या–क्या काम किए, उन्हें लिखें।

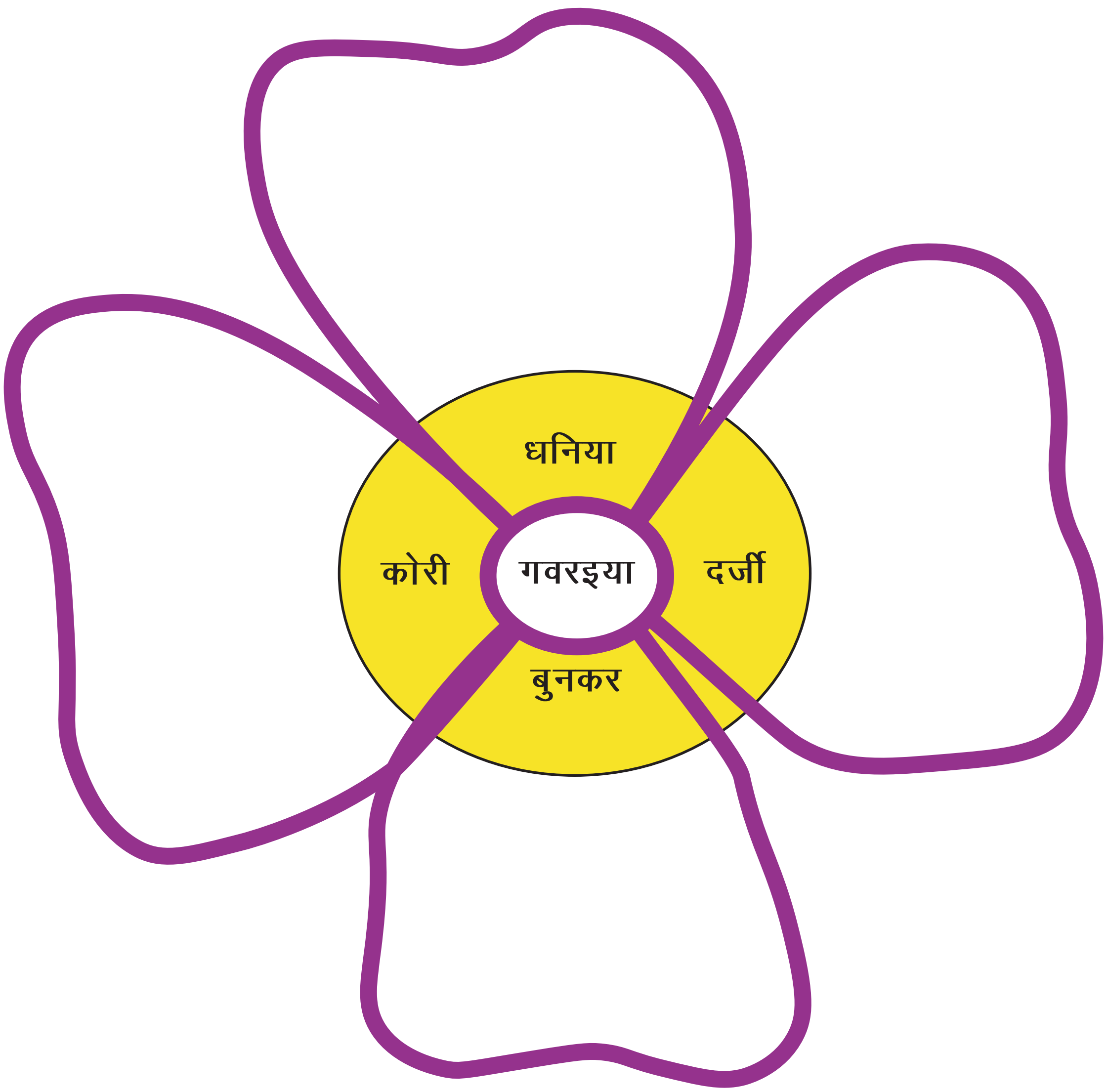

प्र०4 आपके मतानुसार गवरइया टोपी पहनकर राजा को दिखाने क्यों पहुँची?

____

____

____

____

____

प्र०5 टोपी की कहानी के आधार पर रिक्त स्थान भरो।

1. ______________ होते ही खोते से निकल पड़ते, दाना चुगते और झुटपुटा होते ही खोते में आ घुसते।

2. जरा सी चूक हुई नहीं कि ______________ उछलते देर नहीं लगती।

3. जहाँ चाह, वहाँ ______________ ।

4. टोपी वापस ______________ की ओर हवा में उछाल दी गई।

5. यह राजा तो ______________ है निरा ______________ ।

प्र०6 गवरइया अपनी इच्छापूर्ति के लिए कई कारीगरों के पास जाती है, उनमें से एक के साथ गवरइया की बातचीत को संवाद के रूप में लिखें।

प्र०7 इस कहानी में टोपी को लेकर कुछ मुहावरे आए हैं। उन्हें खोजिए व अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

1. मुहावरा ______________ अर्थ ______________

वाक्य ______________

2. ______________ ______________

____

3. ______________ ______________

____

प्र०8 क्या आप टोपी की ही भाँति आँख पर कुछ मुहावरे यहाँ लिख सकते हैं?उनका अर्थ लिखकर वाक्य भी बनाएं।

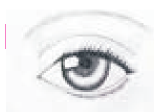

1. ______________ ______________

2. ______________ ______________

3. ______________ ______________

प्र०9 इसी प्रकार आप हाथ पर भी कुछ मुहावरे यहां लिखें व अर्थ लिखकर उनका वाक्य भी बनाएं।

1. ______________ ______________

2. ______________ ______________

3. ______________ ______________

प्र०10 'टोपी' पाठ में कहावतों (लोकोक्तियों) का सफल प्रयोग हुआ है। दिए गए फूल की पंखुड़ी में एक कहावत उदाहरण स्वरूप दी गई है, बाकी खाली पंखुड़ियों में भी पाठ में आई कहावतें लिखिए।

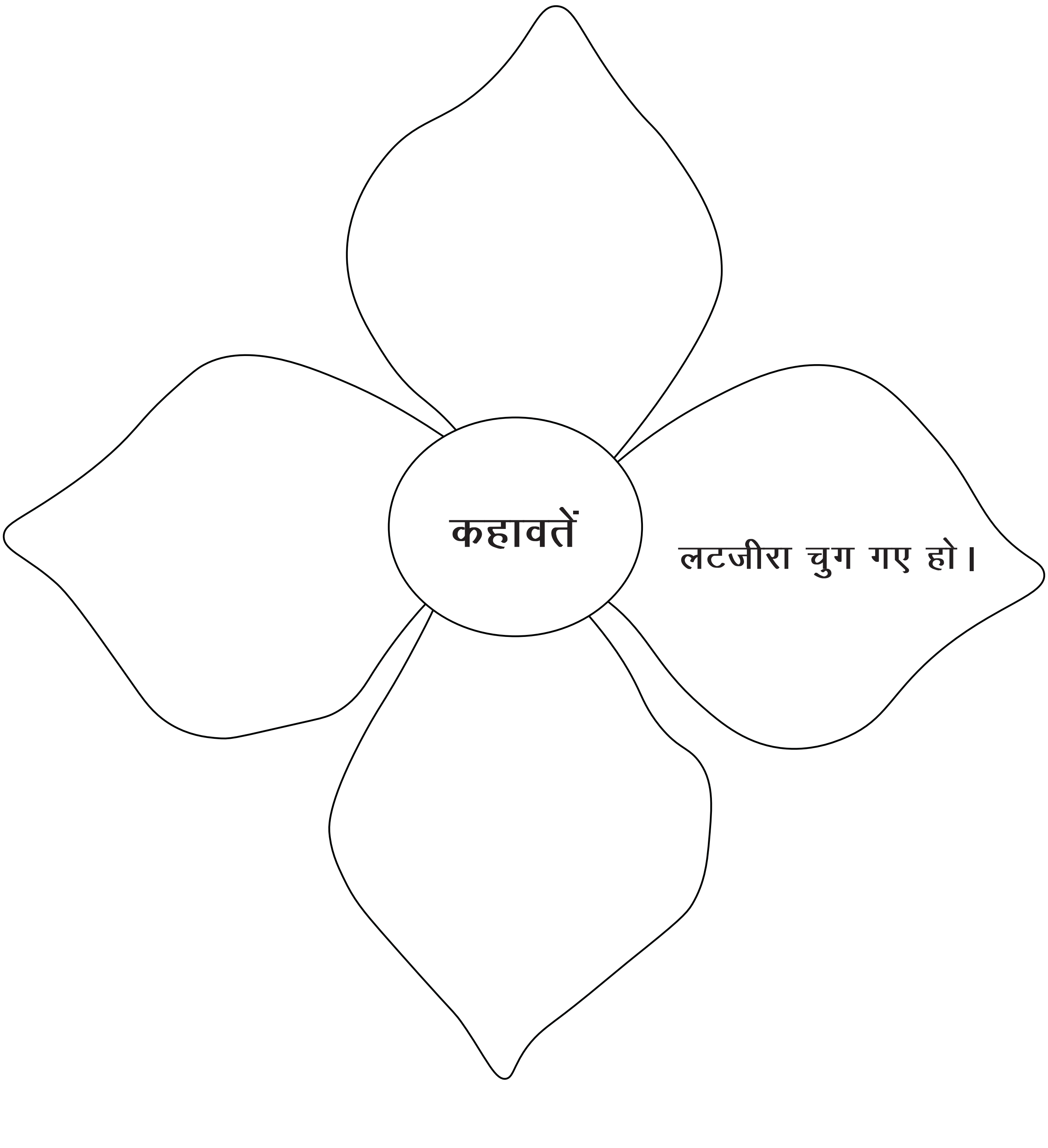

प्र०11 दिए गए बॉक्स में से संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया व विशेषण शब्द छाँटकर सही जगह पर स्थापित कीजिए–

1. संज्ञा– किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। जैसे–राम, दिल्ली आदि।
2. सर्वनाम– जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे–मैं, तुम, वह आदि।
3. क्रिया– जिस शब्द से किसी कार्य के करने व होने का पता चले, क्रिया कहलाता है। जैसे–दौड़ना।
4. विशेषण– संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। जैसे–सुन्दर लड़की, काला कोट आदि।

गवरइया	टोपी	मेरा
उनके	डरपोक	उम्दा
बताओ	कर दो	मुँहफट
राजा	तू	चिल्लाना

संज्ञा

1. ______
2. ______
3. ______

सर्वनाम

1. ______
2. ______
3. ______

क्रिया

1. ______________
2. ______________
3. ______________

विशेषण

1. ______________
2. ______________
3. ______________

प्र०12 इस कहानी में जो घटना आपको सबसे अच्छी लगी हो, उसे संवाद के रूप में लिखिए–

संवाद–जब कोई घटना दो या दो से अधिक पात्रों की प्रत्यक्ष बातचीत के द्वारा विकसित की जाती है, उसे संवाद कहते हैं।

____

____

____

____

____

____

____

प्र०13 दिए गए शब्दों की सहायता से टोपी पर एक छोटी सी कविता का निर्माण कीजिए।

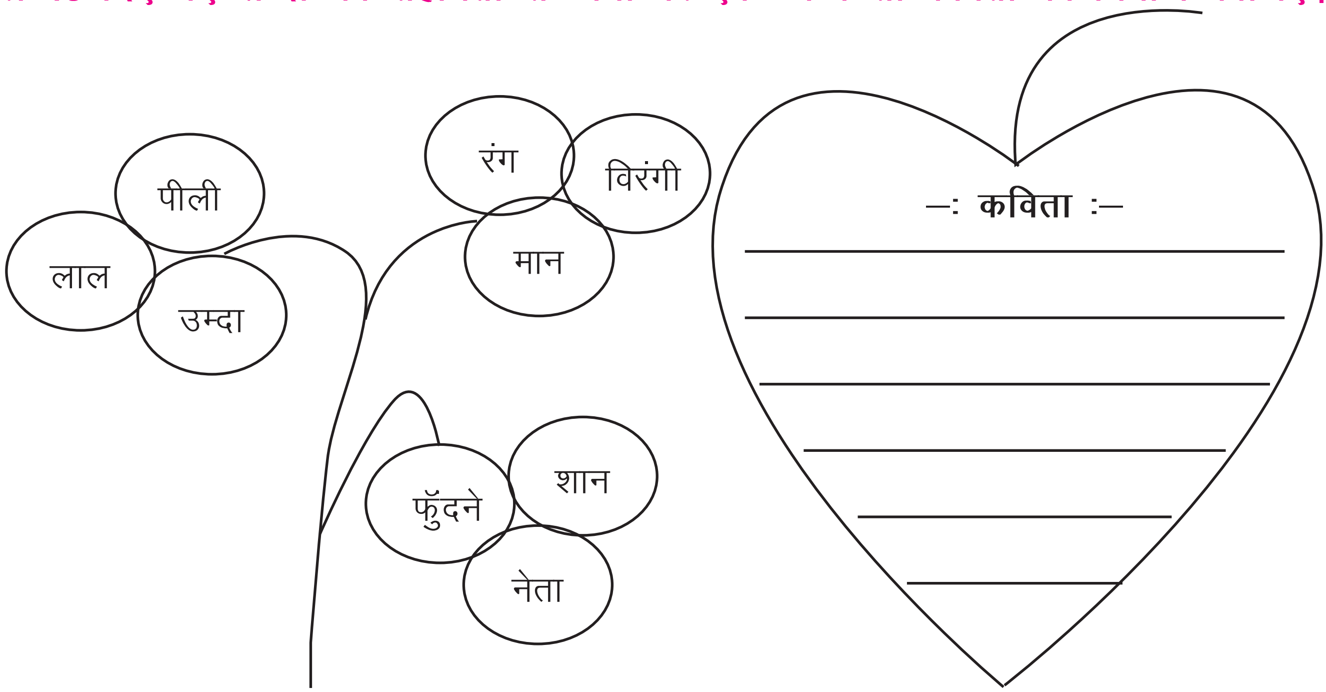

प्र०14 दृष्टिहीन शब्द दृष्टि शब्द में हीन लगाने से बना है।

हीन लगाकर चार शब्द लिखो।

क) ______________________

ख) ______________________

ग) ______________________

घ) ______________________

प्र०15 सही योजक शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो—

क) मेरी तबियत ठीक नहीं ------------------------ मैं आज खाना नहीं खाऊँगी। (क्योंकि / और / इसलिए)

ख) मैंने उसे बहुत समझाया ------------------------ उसने मेरी एक न सुनी। (वरना / या / पर)

ग) अविनाश कह रहा था ------------------------ वह तुम्हें जानता है। (कि / और / क्योंकि)

घ) मोहन ने बस्ता उठाया ------------------------ स्कूल चल दिया । (कि / क्योंकि / और)

प्र०16 प्रत्येक पंक्ति में से भिन्न अर्थ वाला शब्द चुनकर लिखो–

डाली	तना	टहनी	शाखा	------------------------
तरू	पात	पत्ते	पत्र	------------------------
फूल	कमल	सुमन	कुसुम	------------------------
टहनी	तरु	वृक्ष	तरुवर	------------------------
गगन	नभ	बादल	आसमान	------------------------

प्र०17 नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और सही शीर्षक के नीचे लिखो–

परेड	शीशा	भवन	समय
पेंसिल	शहर	दीवार	
पट्टी	इमारत	राजधानी	
जिला	मैदान	साइकिल	

स्त्रीलिंग	पुलिंग
____________________	____________________
____________________	____________________
____________________	____________________
____________________	____________________
____________________	____________________

प्र०18 नीचे दिए गए मूल शब्दों में उचित उपसर्ग अथवा प्रत्यय लगाकर नए शब्द लिखिए—

	उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय	नए शब्द
(क)	________	नम्र	________	________
(ख)	________	वेग	________	________
(ग)	________	साधारण	________	________
(घ)	________	अधिक	________	________
(ङ)	________	दर्शन	________	________
(च)	________	व्यक्त	________	________

प्र०19 पाठ में से 10 क्रिया शब्द छाँटे। उनका अपने वाक्यों में प्रयोग करें।

क्रियाशब्द	वाक्य
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	
7.	
8.	
9.	
10.	

अधिगम संप्राप्ति

1 कहानी को उचित हाव–भाव के साथ सुनते व सुनाते हैं

2 कहानी में आए नए शब्दों के अर्थ संदर्भ के अनुसार समझते हैं और उसे 3–4 वाक्यों में लिखने का प्रयास करते हैं

3 अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश में खोजते हैं

4 कहानी में आए प्राकृतिक, सामाजिक और अन्य संवेदनशील मुद्दों को समझते हैं उस पर चर्चा करते हैं, और अपना विचार व्यक्त कर सकते हैं।

5 व्याकरण–भाषागत बारीकियों को ध्यान में रखते हुए उनका बोलने लिखने में प्रयोग करते हैं जैसे– मुहावरे, लिंग, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय इत्यादि।